E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 41 | प्रयागराज, शनिवार 18 अप्रैल, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ट्रम्प बोले- ईरान एनरिच्ड यूरेनियम सौंपने को तैयार,कहा- दोनों देश सीजफायर के करीब

वॉशिंगटनडीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि ईरान अपने एनरिच्ड (संवर्धित) यूरेनियम का भंडार अमेरिका को सौंपने के लिए तैयार हो गया है। अमेरिका का मानना है कि इसका इस्तेमाल परमाणु हथियार बनाने में हो सकता है। उन्होंने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से यह भी कहा कि दोनों देश शांति समझौते के काफी करीब हैं। उन्होंने कहा कि बातचीत अच्छी चल रही है और समझौते की संभावना काफी ज्यादा है। ट्रम्प ने कहा कि अगर यह डील हो जाती है तो तेल की सप्लाई शुरू हो जाएगी, होर्मुज स्ट्रेट खुला रहेगा और हालात सामान्य हो जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अगर समझौता इस्लामाबाद में होता है तो मैं पाकिस्तान की यात्रा भी कर सकता हूं। हालांकि ईरानी मीडिया ने ट्रम्प के दावे को गलत बताया है और कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति हवाई किले बना रहे हैं। वहीं इजराइल और लेबनान 10 दिन के सीजफायर पर राजी हो गए हैं। यह युद्धविराम भारतीय समयानुसार गुरुवार देर रात 3:30 बजे से लागू हो गया है। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर बताया कि उन्होंने लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बातचीत की, जिसके

बाद यह सहमति बनी। यूरेनियम एक ऐसा पदार्थ है, जिससे परमाणु ऊर्जा भी बनाई जा सकती है और परमाणु बम भी। फर्क सिर्फ इस बात से पड़ता है कि उसे कितना एनरिच यानी शुद्ध किया गया है। प्राकृतिक यूरेनियम में काम का हिस्सा बहुत कम होता है, इसलिए उसे मशीनों (सेंट्रीफ्यूज) के जरिए स्टेप बाय स्टेप शुद्ध किया जाता है। इसी प्रक्रिया को 'यूरेनियम एनरिचमेंट' कहते हैं। अंतरराष्ट्रीय एजेंसी आईएईए की रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान के पास कुल मिलाकर करीब 5 से 6 टन के बीच एनरिच्ड यूरेनियम मौजूद है। हालांकि, यह इतना एनरिच्ड नहीं है कि इससे परमाणु हथियार बन सकें। अभी 120 से 130 किलोग्राम के आसपास 60फीसदी तक एनरिच्ड किया जा चुका है। अगर यह एनरिच्डमेंट 90फीसदी तक कर लिया गया तो इससे परमाणु हथियार बनाया जा सकते हैं। इसलिए अमेरिका और इजराइल, ईरान पर परमाणु कार्यक्रम सीमित करने और एनरिच्ड यूरेनियम सौंपने का दबाव बनाते रहे हैं। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स- 1. इजराइल-लेबनान सीजफायर डीलः अमेरिका की पहल पर इजराइल और लेबनान शुक्रवार से 10 दिन के सीजफायर पर राजी हो गए हैं। इसका मकसद स्थायी सुरक्षा और शांति समझौते पर बातचीत को आगे बढ़ाना है। 2. सीजफायर की शर्तेंः अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक, इजराइल को आत्मरक्षा का अधिकार रहेगा, लेकिन वह लेबनान के खिलाफ जमीन, हवा या समुद्र से कोई आक्रामक कार्रवाई नहीं करेगा। वहीं लेबनान सरकार पर दबाव है कि वह हिजबुल्लाह को इजराइल पर हमले करने से रोके, हालांकि हिजबुल्लाह पर उसका सीधा नियंत्रण नहीं है। 3. ईरान-अमेरिका बातचीतः ट्रम्प ने दावा किया कि ईरान के साथ युद्ध खत्म करने को लेकर समझौता बहुत करीब है। उनके साथ पाकिस्तान में बातचीत जल्द ही फिर शुरू हो सकती है। 4. अमेरिकी मिलिट्री एक्टिविटीः अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, मिडिल ईस्ट में तैनात सैनिक फिर से हथियारों से लैस हो रहे हैं और अगर ईरान के साथ बातचीत फेल होती है, तो वे दोबारा लड़ाई के लिए तैयार हैं। 5. ट्रम्प को राहतः अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने ईरान पर सैन्य कार्रवाई रोकने वाला प्रस्ताव 213-214 वोट से खारिज कर दिया।

अमित शाह ने बताया- कैसे लोकसभा की सीटें 850 होंगी,दक्षिण के 5 राज्यों की सीटें 129 से 195 हो जाएंगी

सबसे ज्यादा फायदा यूपी, महाराष्ट्र को

नयी दिल्ली। लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़े संशोधन

बिलों पर चर्चा के दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को यह समझाया कि परिसीमन से किसी राज्य को नुकसान नहीं होगा। उन्होंने बताया कि लोकसभा की सीटें 543 से 850 कैसे होंगी। दरअसल, चर्चा के दौरान विपक्ष आरोप लगा रहा था कि परिसीमन से उत्तरी राज्यों को फायदा होगा, जबकि दशकों से जनसंख्या वृद्धि में अंतर की वजह से दक्षिणी राज्य पीछे रह जाएंगे। कांग्रेस ने कहा कि ये बिल महिला आरक्षण के लिए नहीं बल्कि यह चोर दरवाजे से परिसीमन के लिए हैं। शाह ने कहा, 'मैं समझाता हूं। मान लीजिए 100 सीटें हैं और 33फीसदी महिलाओं के लिए आरक्षण देना है। यदि कुल सीटों में 50फीसदी वृद्धि कर दी जाए, तो यह 150 हो जाती हैं। और जब 150 का 33फीसदी आरक्षण लागू होता है, तो यह लगभग 100 सीटों के बराबर हो जाता है।' 'अभी लोकसभा में 543 सदस्य हैं। परिसीमन के बाद सीटों में 50फीसदी वृद्धि की जाएगी और कुल संख्या 816 हो जाएगी। इसमें से 33फीसदी सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। 850 एक राउंड फिगर है, वास्तविक संख्या 816 होगी।' तमिलनाडु की सीटें 39 से 59 हो जाएंगी- दक्षिण के पांच राज्यों की कुल लोकसभा सीटें 129 से बढ़कर 195 हो जाएंगी। उनका प्रतिशत 23.76 से बढ़कर 23.87 हो जाएगा।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

संभल मस्जिद की 35 फीट ऊंची मीनार ढहाई गई,अब बुलडोजर से बाकी हिस्सों को भी तोड़ा जा रहा, डीएम-एसपी पहुंचे, भीड़ को खदेड़ा

संभल। संभल में मस्जिद की 35 फीट ऊंची मीनार शुक्रवार दोपहर डेढ़ बजे गिरा दी गई। अब बुलडोजर मस्जिद के बाकी हिस्सों को तोड़ रहा है। इससे पहले, सुबह साढ़े 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक मस्जिद के बाहर की 5 दुकानों को तोड़ा गया। मस्जिद की मीनार को तोड़ने के लिए प्रशासन ने दो हाइड्रा मशीन बुलाई। एक मजूदर ने मीनार पर चढ़कर रस्सी बांधी, फिर उसके दूसरे हिस्से को हाइड्रा की दोनों मशीनों में बांधा गया। मशीनों ने खींचकर मीनार को गिरा दी। फिलहाल, डीएम राजेंद्र पेंसिया और एसपी केके बिश्नोई समेत 50 से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात हैं। गांव वाले जुटने लगे तो पुलिस ने विरोध की आंशका को देखते हुए उन्हें भगा दिया। 12 दिन पहले, यानी 5 अप्रैल को मस्जिद पर कार्रवाई होनी थी, लेकिन उस समय बुलडोजर चालक ने मस्जिद की 35 फीट ऊंची मीनार तोड़ने से मना कर दिया था। चालक का कहना था कि मीनार उनके ऊपर गिर सकती है। हालांकि उस दिन मदरसा, पांच दुकानें और मस्जिद का गेट तोड़ दिया गया था। दुकानों का करीब 20 फीसदी हिस्सा बच गया था, जिसे आज गिराया जा रहा है। मामला मुबारकपुर बंद गांव का है। इसके अलावा, ग्रामीण गुलाम और आसमा के मकानों के कुछ हिस्से सरकारी जमीन पर बने हैं। प्रशासन ने दोनों से खुद ही कब्जा हटाने को कहा है। इसके बाद आसमा ने घर के आगे बने हिस्से को और गुलाम ने घर के गेट को छैनी-हथौड़ी से तोड़ना शुरू कर दिया है। जानिए पूरा मामला-

मुबारकपुर बंद गांव में करीब 30 साल पहले सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा किया गया था। 5 साल पहले खेल मैदान पर 150 वर्गमीटर में मस्जिद का निर्माण किया गया। इसके साथ ही पांच दुकानें और आठ मकान भी बना लिए गए। हैरानी की बात यह है कि इसी जमीन पर दो सरकारी प्राइमरी स्कूल भी बने हुए हैं। सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत डीएम को मिली थी। इसके बाद तहसीलदार कोर्ट ने 28 मार्च को अवैध निर्माण हटाने के लिए नोटिस जारी किया। उसी दिन जमीन की नाप कराई गई। 30 मार्च से स्थानीय मजदूरों के जरिए निर्माण हटाने का काम शुरू हुआ। 31 मार्च से मुस्लिम समुदाय के लोगों ने खुद ही मदरसा गौसुल और पांच दुकानों को तोड़ना शुरू किया, लेकिन काम पूरा नहीं हो सका। मस्जिद कमेटी और ग्राम प्रधानपति हाजी मुनव्वर की मांग पर 5 अप्रैल को प्रशासन ने 2100 रुपए शुल्क लेकर करीब दो घंटे में मदरसा और दुकानों को ध्वस्त करा दिया। ग्रामीणों ने मस्जिद को खुद नहीं तोड़ा और प्रशासन से इसे हटाने की मांग की थी। ग्राम प्रधानपति का कहना है कि स्कूलों को छोड़कर बाकी अवैध संपत्तियों को हटाया जाए।

ब्लूमबर्ग बिलियनेयर लिस्ट- अडाणी नेटवर्थ 8.59 लाख करोड़ के साथ एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति बने,मुकेश अंबानी रु8.42 लाख करोड़ नेटवर्थ के साथ दूसरे नंबर पर

नयी दिल्ली। अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी एशिया

के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स में उनकी नेटवर्थ 92.6 अरब डॉलर यानी करीब 8.59 लाख करोड़ रुपए हो गई है। अभी तक रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी एशिया के सबसे अमीर शख्स थे। उनकी नेटवर्थ 90.8 अरब डॉलर यानी करीब रु8.42 लाख करोड़ है। इस साल अडाणी की नेटवर्थ रु75 हजार करोड़ बढ़ी-गौतम अडाणीः इस साल इनकी नेटवर्त में 8.1 अरब डॉलर यानी 75.11 हजार करोड़ रुपए बढ़ी है। अडाणी ग्रुप के शेयरों में आई तेजी ने इनकी नेटवर्थ को बूस्ट दिया है। मुकेश अंबानीः इनकी संपत्ति में इस साल 16.9 अरब डॉलर यानी 1.57 लाख करोड़ रुपए घटी। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में गिरावट इसकी मुख्य वजह रही।एक दिन में गौतम अडाणी की नेटवर्थ 3.56 अरब डॉलर यानी 33.01 हजार करोड़ रुपए बढ़ी है। इसी उछाल ने उन्हें मुकेश अंबानी से आगे निकलने में मदद की। हालांकि, अंबानी की नेटवर्थ में भी 7.67 करोड़ डॉलर यानी 712 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई, लेकिन यह अडाणी की रफ्तार के सामने कम रही। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्तियों की लिस्ट में इलॉन मस्क 656 अरब डॉलर यानी करीब 60 लाख करोड़ रुपए की नेटवर्थ के साथ पहले नंबर पर बने हुए हैं। उनके बाद लैरी पेज दूसरे और जेफ बेजोस तीसरे नंबर पर हैं। हालांकि कोई भी भारतीय टॉप टेन में शामिल नहीं है। यह दुनिया के सबसे अमीर लोगों की नेटवर्थ को ट्रैक करने वाला एक डेली इंडेक्स है। इसमें न्यूयॉर्क में हर कारोबारी दिन की समाप्ति पर आंकड़े अपडेट किए जाते हैं। नेटवर्थ की गणना कंपनियों के स्टॉक की कीमत और अन्य सार्वजनिक होल्डिंग्स के आधार पर की जाती है। चूंकि यह बाजार पर आधारित है, इसलिए शेयरों के दाम गिरते ही रैंकिंग में बदलाव आ जाता है।

नेपाल में भ्रष्टाचार के खिलाफ जांच से हाहाकार,7 पूर्व पीएम, 3 राष्ट्रपति, राजा की संपत्ति की जांच, 100 मंत्री अधिकारी भी दायरे में

काठमांडू। नेपाल में भ्रष्टाचार के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री बालेन शाह की सरकार ने 5 सदस्यीय न्यायिक पैनल बनाया है, जो 2006 से लेकर

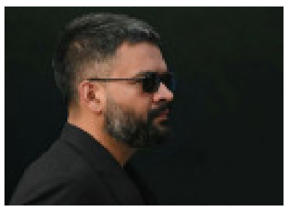

2025-26 तक सार्वजनिक पदों पर रहे लोगों की संपत्ति की जांच करेगा। जांच के दायरे में 2005-06 के बाद के सभी 7 प्रधानमंत्रियों को भी शामिल किया गया है। इनमें सुशील कोईराला, पुष्प कमल दहल, माधव कुमार नेपाल, झलनाथ खनाल, बाबूराम भट्टराई, केपी शर्मा ओली और शेर बहादुर देउबा शामिल हैं। इसके साथ ही दो अंतरिम सरकारों के प्रमुख खिलराज रेग्मी और सुशीला कार्की भी जांच के दायरे में आएंगे। इसमें पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह भी आएंगे। इसके अलावा तीन राष्ट्रपति राम बरन यादव, विद्या देवी भंडारी और मौजूदा राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल भी जांच के घेरे में होंगे। यह जांच सिर्फ बड़े नेताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें मंत्री, संवैधानिक पदों पर बैठे 100 से ज्यादा लोग और वरिष्ठ नौकरशाह भी शामिल होंगे। मृत नेताओं की संपत्ति की भी जांच-यह जांच नेपाल में राजशाही खत्म होने के बाद के पूरे दौर को कवर करेगी। इसका मतलब 2006 के बाद का लगभग पूरा राजनीतिक नेतृत्व अब जांच के दायरे में आ गया है। खास बात यह है कि यह जांच शाह सरकार के अपने राजनीतिक दायरे तक भी जा सकती है। पोट्र्स के मुताबिक, मौजूदा स्पीकर डोल प्रसाद अर्याल, मंत्री बिराजभक्त श्रेष्ठ और शिशिर खानाल, और अपनी ही पार्टी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के प्रमुख रवि लामिछाने भी जांच के दायरे में आ सकते हैं, क्योंकि वे पहले भी सार्वजनिक पदों पर रह चुके हैं। खास बात यह है कि यह जांच उन नेताओं तक भी पहुंचेगी जो अब जीवित नहीं हैं। ऐसे में उनके परिवार और राजनीतिक वारिसों की संपत्ति भी जांची जा सकती है। इसमें गिरिजा प्रसाद कोईराला और सुषिल कोईराला जैसे नेताओं के परिवार शामिल हो सकते हैं। 2006 के जनआंदोलन के बाद देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था शुरू हुई। इसके बाद से लगातार भ्रष्टाचार और अवैध संपत्ति के आरोप सामने आते रहे हैं। इनकी जांच अक्सर सीमित दायरे में होती थी या राजनीतिक विरोधियों तक ही सीमित रहती थी। लेकिन इस बार सत्ता, विपक्ष, पूर्व राजा और मौजूदा सिस्टम सब एक साथ शामिल हैं। नेपाल में लगातार गठबंधन सरकारें रही हैं। किसी के पास इतना मजबूत जनादेश नहीं था कि बड़े स्तर पर जांच शुरू कर सके। इस बार बालेन शाह के पास प्रचंड बहुमत है।

'भारत ये नहीं कर सकता है', पाक अधिकृत कश्मीर के जिक्र से बौखलाई पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार,दे दी गीदड़भभकी

इस्लामाबाद। भारत की संसद में लाए गए डीलिमिटेशन बिल (परिसीमन विधेयक) पर पाकिस्तान

बौखला गया है। पाकिस्तान की नाराजगी बिल के उस प्वाइंट पर है, जिसमें चुनाव आयोग को पाकिस्तान-अधिकृत कश्मीर में परिसीमन प्रक्रिया का अधिकार दिया गया है। पाकिस्तान ने इसे पीओके में एक 'गलत' दखल कहा है। वहीं भारत का इस मुद्दे पर रुख बहुत साफ रहा है कि पीओके उसका हिस्सा है और पाकिस्तान का कब्जा पूरी तरह गैरकानूनी है।संसद में पेश किए गए विधेयक में प्रस्ताव है कि जम्मू-कश्मीर के निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन में उन हिस्सों को शामिल किया जाए, जो पाकिस्तान के अवैध कब्जे में हैं। इस पर पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि हम जम्मू-कश्मीर में उस परिसीमन प्रक्रिया को खारिज करते हैं, जिसमें पीओके से संबंधित प्रावधान शामिल है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने अपने बयान में कहा कि हमने भारतीय संसद में परिसीमन विधेयक पेश किए जाने से जुड़ी मीडिया रिपोर्ट देखी हैं। हम जम्मू और कश्मीर में भारत की परिसीमन प्रक्रिया को स्पष्ट रूप से खारिज करते हैं, जिसमें पीओके से संबंधित कोई भी प्रावधान शामिल है। अंद्राबी ने भारत सरकार की पूरी प्रक्रिया को अवैध और राजनीतिक दिखावा कहा है। अंद्राबी ने कश्मीर को एक विवादित क्षेत्र बताते हुए कहा कि यहां भारत को ऐसे कदम नहीं उठाने चाहिए। ताहिर ने कहा, 'भारत के पास जम्मू-कश्मीर की सीमाएं फिर से तय करने का कानूनी अधिकार नहीं है। वहीं पीओके एक अलग प्रशासनिक क्षेत्र है, जिसकी अपनी सरकार है। ताहिर अंद्राबी- 'भारतीय संसद में परिसीमन विधेयक पेश किए जाने से जुड़ी मीडिया रिपोर्ट लगातार सामने आ रही हैं। इनमें जम्मू और कश्मीर की परिसीमन प्रक्रिया में पीओके से संबंधित प्रावधान शामिल होने की बात है। हम इसे भारत का गैरजरूरी कदम मानते हैं और इसे स्पष्ट रूप से खारिज करते हैं।' पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने परिसीमन बिल में पीओके को रखने के फैसले को भारत का एक भड़काऊ कदम और अंतरराष्ट्रीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन है। पाकिस्तान की ओर से कहा गया है कि पीओके एक ऐसा इलाका है, जो पूरी तरह से 'आजाद' है। ऐसे में भारत को इस तरह के कदम नहीं उठाने चाहिए।

यूपी के बांदा में पारा 44.4से.,एमपी-राजस्थान में लू का अलर्ट, छत्तीसगढ़ में 11 दिन पहले ही स्कूल बंद

लखनऊ। देश के पश्चिमी राज्य राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र में तेज गर्मी पड़ रही है।

उत्तर भारत में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, चंडीगढ़ और हरियाणा में पारा 35से. से 45से. के बीच पहुंच गया है। मध्य भारत में एमपी, छत्तीसगढ़, झारखंड में भी अगले 3 दिन भीषण गर्मी और लू का अलर्ट है। मौसम विभाग ने कहा है कि 20 अप्रैल तक इन राज्यों में गर्मी और उमस से राहत नहीं मिलेगी। गुरुवार को यूपी के बांदा में तापमान 44.4से., एमपी के नर्मदापुरम में 43से., राजस्थान के बाड़मेर में 42.9से. रिकॉर्ड किया गया। छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी और हीटवेव के कारण राज्य सरकार ने 11 दिन पहले स्कूलों की गर्मी की छुट्टियां घोषित कर दीं हैं। मध्य प्रदेश के अनूपपुर-डिंडोरी में भी स्कूलों का टाइम बदलकर सुबह 7 से 12 बजे तक कर दिया गया है। कर्नाटक-महाराष्ट्र के ऊपर बना एक एंटी-साइक्लोनिक सिस्टम मध्य भारत की तरफ बढ़ रहा है। इससे तापमान लगातार बढ़ रहा है। शुक्रवार को भी ओडिशा, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु और तेलंगाना के कुछ हिस्सों में लू चलेगी। तटीय राज्यों में मौसम उमस भरा रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर, हिमाचल में भारी बारिश हो सकती है। कुछ जिलों में ओले गिरने का भी ऑरेंज अलर्ट है। वहीं उत्तराखंड, पंजाब-हरियाणा, चंड़ीगढ़, दिल्ली और राजस्थान में कुछ इलाकों में बारिश हो सकती है। बात पूर्वोत्तर राज्यों की करें तो असम और मेघालय में भारी बारिश होगी। सिक्किम, गंगा से सटे और हिमालय से लगे बंगाल, अरुणाचल, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में आंधी-बारिश का अलर्ट है।

राहुल सदन में बोले- कायरों की तरह महिलाओं के पीछे छिपना बंद करे, यह शर्मनाक है

नयी दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि महिला आरक्षण अधिनियम में संशोधन से संबंधित विधेयक का महिला आरक्षण से कोई संबंध नहीं है, बल्कि यह देश के चुनावी मानचित्र को बदलने का प्रयास है जो एक 'राष्ट्र विरोधी कृत्य' है। उन्होंने लोकसभा में महिला आरक्षण अधिनियम से संबंधित 'संविधान (131वां) संशोधन विधेयक 2026', 'परिसीमन विधेयक, 2026' और 'संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026' पर चर्चा में भाग लेते हुए यह आरोप भी लगाया कि सरकार द्वारा जाति जनगणना को दबाने और अन्य पिछड़े वर्ग (ओबीसी) से उनका अधिकार छीनने का प्रयास किया जा रहा है। राहुल गांधी ने कहा, 'पूरा विपक्ष मिलकर सरकार के इस प्रयास को विफल करने जा रहा है।' नेता प्रतिपक्ष ने अपने भाषण के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए एक शब्द (मैजिशियन) का कई बार इस्तेमाल किया, जिस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने आपत्ति जताई। बिरला ने इस शब्द को सदन की कार्यवाही से हटाने का निर्देश दिया। रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के संदर्भ में नेता प्रतिपक्ष द्वारा जिस प्रकार के शब्दों का इस्तेमाल किया जा रहा है वह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है और उसकी जितनी निंदा की जाए, उतना कम है।उन्होंने कहा कि राहुल गांधी इस देश की जनता का अपमान कर रहे हैं और उन्हें क्षमा मांगनी चाहिए। राहुल गांधी ने महिला आरक्षण से संबंधित विधेयक का उल्लेख करते हुए कहा, 'कुछ

सच्चाई यह सदन में बताने की जरूरत है। यह महिला आरक्षण विधेयक नहीं है, इसका महिलाओं के सशक्तीकरण से कुछ लेनादेना नहीं है। 2023 में जो पारित हुआ था वो महिला आरक्षण विधेयक था।' उन्होंने आरोप लगाया कि 'यह भारत की महिलाओं के पीछे छिपकर देश के चुनावी मानचित्र को बदलने का प्रयास है।' कांग्रेस नेता ने कहा कि 'यह शर्मनाक कृत्य है क्योंकि यह सब भारत की महिलाओं के नाम पर किया जा रहा है।' उन्होंने आरोप लगाया कि जाति जनगणना को दरकिनार करने का प्रयास किया जा रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि ओबीसी से उनका अधिकार छीनने का प्रयास किया जा रहा है, यही सरकार का एजेंडा है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि दक्षिण भारत के राज्यों, छोटे प्रदेशों और पूर्वोत्तर से उनकी राजनीतिक ताकत छीनी जा रही है। राहुल गांधी ने कहा, 'भाजपा बेवकूफ नहीं है, उन्हें पता था कि यह विधेयक पारित नहीं हो सकता। लेकिन वे फिर भी इसे ले आए। यह एक घबराहट भरी प्रतिक्रिया थी...वह भारत के चुनावी मानचित्र को बदलना चाहते हैं और प्रधानमंत्री को यह संदेश दोबारा भेजने की जरूरत पड़ी कि वह महिला समर्थक हैं।' उन्होंने कहा, 'वह ऐसा क्यों कर रहे हैं, मैं इसे आपकी कल्पना पर छोड़ता हूं। लेकिन जो शक्तियां हैं वे ठीक-ठीक जानती हैं कि वह ऐसा क्यों कर रहे हैं।'राहुल गांधी ने बीजेपी पर लगाए कई आरोप- उनका कहना था- मैं देश भर में अपने दोस्तों, भाइयों और बहनों, दक्षिण के राज्यों, छोटे राज्यों और पूर्वोत्तर के राज्यों को आश्चस्त करना चाहता हूं कि वे चिंता न करें। हम उन्हें (भाजपा) भारतीय संघ पर हमला नहीं करने देंगे। आप भारतीय संघ में बराबर के भागीदार हैं। वे भारतीय संघ में आपके प्रतिनिधित्व को छूने का साहस नहीं कर पाएंगे। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा दलित और पिछड़े समुदायों को हिंदू कहती है लेकिन सत्ता की व्यवस्था में उन्हें उचित स्थान नहीं देना चाहती। उन्होंने सत्तारूढ़ दल पर निशाना साधते हुए यह भी कहा- भाजपा और उसके नेतृत्व के मन में एक बुनियादी भ्रम है। वे मानते हैं कि वे ही भारत की जनता हैं। आप भारत की जनता नहीं हैं। वे यह भी मानते हैं कि वे सशस्त्र बल हैं। आप (भाजपा) सशस्त्र बल नहीं हैं। हम भारत के लोगों या सशस्त्र बलों पर हमला नहीं कर रहे हैं, हम आप (भाजपा) पर हमला कर रहे हैं, आप भारत के लोगों या सशस्त्र बलों के पीछे मत छिपो।'

मा0 विधायक सलोन ने स्कूल चलो अभियान के तहत बच्चों को वितरित किया निशुल्क पाठ्यपुस्तक

बच्चों का चरित्र निर्माण कर रहे हैं शिक्षक - अशोक कुमार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। प्रदेश सरकार द्वारा एक अप्रैल से 15 अप्रैल के मध्य स्कूल

चलो अभियान एवं निशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण का कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में ब्लाक स्तरीय स्कूल चलो अभियान रैली एवं गोष्ठी का आयोजन किया गया। विकास खंड डीह कार्यालय में आयोजित स्कूल चलो अभियान समारोह के मुख्य अतिथि मा0 विधायक सलोन अशोक कुमार ने न्याय पंचायत के प्राथमिक विद्यालय डीह प्रथम, प्राथमिक विद्यालय डीह द्वितीय, प्राथमिक विद्यालय जगदीशपुर, उच्च प्राथमिक विद्यालय जगदीशपुर व उच्च प्राथमिक विद्यालय शादीपुर कोटवा, राजकीय इंटर कॉलेज डीह के बच्चों को निशुल्क पाठ्यपुस्तक का वितरण कर बच्चो को शिक्षित बनने की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मा0 विधायक ने कहा कि बेसिक शिक्षा विभाग में पहले से अधिक परिवर्तन आ चुका है, यह अभियान मात्र अभियान नहीं है इस अभियान से आप सब ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों का चरित्र निर्माण का पुनीत कार्य करते हैं ताकि आने वाली पीढ़ी राष्ट्र सेवा के लिए तैयार हो सके। दस साल पहले सरकारी स्कूलों की स्थिति बदतर थी, कायाकल्प के माध्यम से स्कूलों में बदलाव आया है। बच्चों के भविष्य संवारने के लिए यह कार्य किया जा रहा है। अगर शिक्षक न हो तो विद्यार्थी को सफल बनाने का कोई दूसरा रास्ता नहीं है। उन्होंने कहा कि आज बेसिक शिक्षा में बेहतर शिक्षा बच्चों को दी जा रही है समय से पुस्तक उपलब्ध कराई जा रही हैं अभिभावकों से अपील है कि अपने बच्चों को नियमित स्कूल भेजें। उन्होंने गोष्ठी में उपस्थिति शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को संबोधित करते हुए कहा हर अभिभावक को जागरूक करना है इसके लिए पंचायत स्तर के जनप्रतिनिधि अपनी महती भूमिका निभा सकते हैं। कार्यक्रम आयोजक खंड शिक्षा अधिकारी तरुण कुमार ने कहा अभिभावकों से सीधे संपर्क कर एवं स्कूल चलो अभियान रैली के माध्यम से विभाग में सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को बताते हुए उन्हें जागरूक कर बच्चों के नामांकन एवं उनकी शत प्रतिशत उपस्थिति हेतु निरंतर प्रेरित करते रहना होगा तभी हम अपने उद्देश्यों को पूरा कर सकते हैं। मा0 विधायक ने निपुण हुए स्कूलों और बेहतर नामांकन वाले विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को सम्मानित किया। गोष्ठी के उपरांत स्कूल चलो अभियान रैली को मुख्य अतिथि मा0 विधायक सलोन अशोक कुमार व खंड शिक्षा अधिकारी, खंड विकास अधिकारी शिवा कांत बाजपेई ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा रैली में प्रतिभाग करते हुए अभियान का हिस्सा बने। कार्यक्रम में सरायमनिक के बच्चों ने सरस्वती वंदना की। अतिथि देवो भव की थीम पर सराय मानिक के बच्चों ने गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन नागेंद्र बहादुर सिंह व अमित सिंह चौहान ने किया। इस अवसर पर कमलेश ओझा, रंजीत कुमार, सुशील सिंह, सुनील मौर्य, अतुल मिश्रा, सत्यानंद मिश्रा, आरबी सिंह, कुणाल, पुष्पेंद्र सिंह, कुसुम चंद्र, एआरपी अंकुर मिश्रा, अतुल मिश्रा, आलोक मिश्रा, विकास पाल, विनय त्रिपाठी द्वारा स्कूल चलो अभियान में सहयोग किया गया। इस अवसर पर प्रधान संघ अध्यक्ष डीह फूल चंद अग्रहरि समेत ब्लॉक के शिक्षकगण उपस्थित रहे।

लखनऊ में मिशन शक्ति 5.0 के तहत नारी जागरूकता चौपाल का आयोजन, महिलाओं व बच्चों को किया जागरूक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। नवरात्र के पावन पर्व पर

मिशन शक्ति 5.0 अभियान के द्वितीय चरण के अंतर्गत महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को लेकर 'नारी जागरूकता चौपाल' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम निदेशक, महिला कल्याण उत्तर प्रदेश द्वारा जारी कार्ययोजना के अनुसार तथा जिलाधिकारी लखनऊ के नेतृत्व एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी के निर्देशन में 42 नई बस्ती, नबी उल्लाह रोड, बांस मंडी, रिवर बैंक चौकी क्षेत्र में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान पुलिस विभाग की ओर से उप निरीक्षक हनीमान यादव, उप निरीक्षक दिनेश कुमार मिश्रा, उप निरीक्षक गुलाब सिंह यादव एवं प्रदीप कुमार सिंह ने महिलाओं को घरेलू हिंसा, महिला उत्पीड़न तथा उनके कानूनी अधिकारों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। वहीं मिशन शक्ति प्रभारी वजीरगंज उप निरीक्षक असगरी बानो ने महिलाओं को आत्मरक्षा, सुरक्षा एवं स्वावलंबन के प्रति जागरूक करते हुए शिक्षा के महत्व पर जोर दिया और बताया कि महिलाएं शिक्षा के माध्यम से अपने परिवार और बच्चों का बेहतर संरक्षण कर सकती हैं। चाइल्डलाइन से प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर जयावती सिंह ने बच्चों की सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं के साथ हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी साझा की। इसके अतिरिक्त हब फॉर इंपावरमेंट ऑफ वूमेन से वंदना द्विवेदी ने महिलाओं एवं बच्चों की समस्याओं को सुनते हुए उन्हें आगे बढ़ने और शिक्षा से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने भारत सरकार एवं महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं-जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) एवं स्पॉन्सरशिप योजना-की जानकारी देकर लाभ लेने हेतु आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के माध्यम से क्षेत्र की महिलाओं एवं बच्चों में जागरूकता बढ़ाने के साथ ही उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ने का प्रयास किया गया।

फिरोज गांधी कॉलेज में नारी शक्ति पदयात्रा भ्रमण, महिला सशक्तिकरण के समर्थन में गूंजा परिसर

नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023 के समर्थन में चला हस्ताक्षर अभियान,छात्र-छात्राओं ने समान प्रतिनिधित्व, सम्मान और सुरक्षा का दिया संदेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। फिरोज गांधी कॉलेज में गुरुवार को 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023' के व्यापक आसपास के क्षेत्रों में भ्रमण करते हुए महिलाओं के अधिकार, सम्मान और सामाजिक भागीदारी के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।इसके साथ आयोजित

जनजागरूकता अभियान के अंतर्गत नारी शक्ति पदयात्रा एवं अधिनियम के समर्थन में हस्ताक्षर आग्रह अभियान का प्रभावशाली आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से महिला सशक्तिकरण, समान प्रतिनिधित्व और नारी सम्मान का संदेश जन-जन तक पहुंचाया गया।महाविद्यालय परिसर से निकली पदयात्रा में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पदयात्रा ने परिसर और हस्ताक्षर अभियान में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं आमजन ने भाग लेते हुए नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में अपने हस्ताक्षर दर्ज किए। अभियान के दौरान महिलाओं को निर्णय प्रक्रिया में समान भागीदारी देने और उनके सम्मानजनक प्रतिनिधित्व की आवश्यकता पर जोर दिया गया।कार्यक्रम में जिले के एनजीओ जय हिंद स्वयंसेवक समूह की अध्यक्षा सारिका बाजपेयी एवं सचिव डॉ. मधुलिका दीक्षित ने पदयात्रा का नेतृत्व किया। वहीं महिला थाना की उपनिरीक्षक हंसा भदौरिया, महिला आरक्षी मनीषा, महिला आरक्षी सलोनी पटेल तथा यातायात उपनिरीक्षक अरिमर्दन सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही।महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. मनोज कुमार त्रिपाठी ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में ऐतिहासिक पहल है, जो समाज में समान अवसर, सम्मान और नेतृत्व क्षमता को नई मजबूती देगा।कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सोनम कुमारी रावत तथा डॉ. शुभम खरवार के निर्देशन में हुआ। इस अवसर पर डॉ. शामिनी श्रीवास्तव, अनीता बाजपेई सहित महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, कर्मचारी, एनसीसी, रोवर्स-रेंजर्स यूनिट के कैडेट्स तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं।कार्यक्रम का समापन नारी सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रयागराज में किया जनता दर्शन, जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के उप

मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य जी ने शुक्रवार को सर्किट हाउस, प्रयागराज में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान स्थानीय नागरिकों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधिगणों के साथ आमजन ने अपनी विभिन्न समस्याओं एवं शिकायतों को उप मुख्यमंत्री के समक्ष रखा। उप मुख्यमंत्री जी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसमस्याओं का त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जनसेवा के संकल्प के साथ कार्य कर रही है और आमजन की समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। श्री मौर्य ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनता से जुड़े मामलों में लापरवाही किसी भी स्तर पर स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप कार्य करते हुए प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए।

लखनऊ में 'दुग्ध स्वर्ण महोत्सव-2026' का भव्य आयोजन, 5000 करोड़ निवेश प्रस्ताव पर सहमति

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। उत्तर प्रदेश के दुग्धशाला

विकास विभाग के स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 17 एवं 18 अप्रैल 2026 को राजधानी लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 'दुग्ध स्वर्ण महोत्सव-2026' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के दुग्ध क्षेत्र की उपलब्धियों, योजनाओं एवं भविष्य की रणनीतियों पर व्यापक चर्चा हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पशुधन, दुग्ध विकास एवं राजनीतिक पेंशन मंत्री धर्मपाल सिंह रहे। इस दौरान विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले पशुपालकों एवं उद्यमियों को सम्मानित किया गया।

साथ ही प्रदेश के विभिन्न जनपदों से चयनित 139 लाभार्थियों को नंद बाबा पुरस्कार की धनराशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की गई। महोत्सव के दौरान निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठित उद्यमियों ने अपने स्टॉल लगाकर दुग्ध उत्पादों एवं तकनीकों का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर नंद बाबा दुग्ध मिशन एवं दुग्ध नीति-2022 के तहत पशुपालकों और निवेशकों की सफलता की कहानियों पर आधारित एक पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। विशेष रूप से, दुग्ध क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने हेतु लगभग 5000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों पर सहमति बनी। इस आयोजन में प्रदेश के करीब 10 हजार पशुपालकों, दुग्ध उत्पादकों एवं निवेशकों ने भाग लिया। साथ ही वेबकास्टिंग और लाइव यूट्यूब के माध्यम से लाखों लोग इससे जुड़े। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव मुकेश कुमार मेश्राम, दुग्ध आयुक्त धनलक्ष्मी के., विशेष सचिव राम सहाय यादव सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। विशेषज्ञों द्वारा स्वदेशी नस्ल, आधुनिक तकनीक, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और डेयरी सेक्टर के विकास पर विस्तृत प्रस्तुतियां दी गईं। दुग्ध आयुक्त ने बताया कि उत्तर प्रदेश देश का अग्रणी दुग्ध उत्पादक राज्य है और इस स्थिति को बनाए रखने के लिए सरकार किसानों को बेहतर बाजार, पारदर्शी मूल्य निर्धारण और स्थायी आय प्रदान कर रही है।

'गो से ग्राहक तक' की सुदृढ़ व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए दुग्ध नीति-2022 लागू की गई है। आंकड़ों के अनुसार, राज्य की अर्थव्यवस्था में डेयरी सेक्टर का बड़ा योगदान है और यह रोजगार सृजन का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका है। अब तक 796 एमएसएमई इकाइयों के माध्यम से 60,000 से अधिक रोजगार सृजित हुए हैं। ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी-5.0 के तहत 2000 करोड़ रुपये की 72 परियोजनाएं शुरू की गईं, जिनसे 4000 रोजगार उत्पन्न हुए। इसके अलावा, 10,000 से अधिक लाभार्थियों को 84 करोड़ रुपये की अनुदान राशि वितरित की गई तथा 4000 से अधिक प्राथमिक दुग्ध सहकारी समितियां गठित कर लगभग 1.5 लाख दुग्ध उत्पादकों को जोड़ा गया। कार्यक्रम के अंत में विभाग द्वारा अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया और सफल आयोजन के लिए सभी का धन्यवाद किया गया।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICI

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-
Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of India)

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-
Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

भारतीय डाक के उत्तर गुजरात परिक्षेत्र ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में रु246.79 करोड़ का राजस्व अर्जित कर 25फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

गुजरात। भारतीय डाक विभाग के उत्तर गुजरात परिक्षेत्र, अहमदाबाद ने अपने उत्कृष्ट कार्यों से बहुआयामी उपलब्धियों का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव के नेतृत्व में 'डाक सेवा, जन सेवा' के मूल मंत्र को सार्थक करते हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान कुल रु246.79 करोड़ का राजस्व अर्जित किया गया, जो पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 25.07फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि को दर्शाता है। क्षेत्रीय कार्यालय में समीक्षा बैठक के दौरान बताया गया कि डाक निदेशालय द्वारा चिन्हित सभी 7 प्रमुख राजस्व क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया गया। इस दौरान डाकघर बचत बैंक में रु101 करोड़ का राजस्व अर्जित किया गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 3.06फीसदी अधिक है। डाक जीवन बीमा में रु9.86 करोड़ और ग्रामीण डाक जीवन बीमा में रु6.57 करोड़ का राजस्व अर्जित किया गया, जिसमें क्रमशः 28.68फीसदी और 15.78फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। मेल ऑपरेशन और पार्सल में क्रमशः रु59.04 करोड़ और रु48.20 करोड़ का राजस्व अर्जित हुआ, जो गत वर्ष की तुलना में क्रमशः 21.17फीसदी और 190.12फीसदी की वृद्धि को दर्शाता है। इसके अतिरिक्त, अंतरराष्ट्रीय मेल में रु8.55 करोड़ का राजस्व प्राप्त किया गया, जो वैश्विक स्तर पर डाक सेवाओं के विस्तार एवं बढ़ती मांग को प्रतिबिंबित करता है। नागरिक-केंद्रित सेवाएँ में रु13.47 करोड़ का राजस्व प्राप्त किया गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 23.74फीसदी की वृद्धि को दर्शाता है। पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव के नेतृत्व में गत वर्ष 'पोस्टल वॉरियर्स' अभियान चलाकर डाकघरों द्वारा वित्तीय समावेशन पर फोकस किया गया। नतीजन, वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान उत्तर गुजरात परिक्षेत्र में 8.84 लाख नए डाकघर बचत बैंक खाते खोले गए, इसी के साथ बचत बैंक खातों की कुल संख्या 43 लाख को पार कर गई। पहली बार डाकघर बचत बैंक का राजस्व रु100 करोड़ को पार कर रु101 करोड़ तक पहुँचा। अहमदाबाद नगर मंडल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पूरे गुजरात में गत वर्ष सर्वाधिक 2.94 लाख नए खाते खोलकर अग्रणी स्थान प्राप्त किया है। 26 हजार से ज्यादा लोगों ने डाक जीवन बीमा व ग्रामीण डाक जीवन बीमा की पॉलिसी ली। उत्तर गुजरात परिक्षेत्र के 1,110 गाँवों

उत्तर गुजरात परिक्षेत्र की उपलब्धियाँ सेवा गुणवत्ता, पारदर्शिता, नवाचार और जनसेवा के प्रति डाक विभाग की प्रतिबद्धता का प्रमाण- पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव,वित्तीय समावेशन से लेकर, डाक जीवन बीमा, मेल्स व पार्सल, नागरिक-केंद्रित सेवाओं में उत्तर गुजरात डाक परिक्षेत्र ने स्थापित किये नए आयाम

को 'संपूर्ण सुकन्या समृद्धि ग्राम', 400 गाँवों को 'संपूर्ण बचत ग्राम' व 791 गाँवों को 'संपूर्ण बीमा ग्राम' घोषित किया जा चुका है। ये उपलब्धियाँ ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन, सामाजिक सुरक्षा एवं बचत की भावना को प्रोत्साहित करने में डाक विभाग के सतत प्रयासों को दर्शाती हैं। भारतीय डाक द्वारा नागरिक-केंद्रित सेवाओं के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई। डाकघरों के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2025-26 में उत्तर गुजरात में 4.19 लाख लोगों को आधार सेवाओं का लाभ प्रदान किया गया, जिसमें 3.31 लाख पोस्ट ऑफिस काउंटर से और 88 हजार लोगों ने सीईएलसी के माध्यम से डोर स्टेप पर आधार सेवाएं ली। इसके अतिरिक्त पोस्ट ऑफिस पासपोर्ट सेवा केंद्र के माध्यम से 68,702 पासपोर्ट आवेदन प्रोसेस किए गए। पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि उत्तर गुजरात परिक्षेत्र की ये उपलब्धियाँ डाक विभाग की सेवा गुणवत्ता, पारदर्शिता, नवाचार एवं जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं, जो समाज के सभी वर्गों को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर कार्यरत हैं। सहायक निदेशक श्री वी. एम. व्होरा ने बताया कि, डाक सेवाओं की अंतिम व्यक्ति तक पहुँच सुनिश्चित करने हेतु 'राष्ट्रीय डाक सप्ताह', स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस सहित तमाम अवसरों पर उत्तर गुजरात में 6,771 डाक चौपाल का आयोजन किया गया। सहायक निदेशक श्री अल्पेश शाह ने कहा कि, पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव के नेतृत्व में 'पोस्टल वॉरियर्स' अभियान के तहत उत्तर गुजरात परिक्षेत्र के सभी 1905 शाखा डाकघरों को 'सिल्वर पोस्टल वॉरियर', 1704 शाखा डाकघर 'गोल्ड वॉरियर', 190 शाखा डाकघर 'डायमंड वॉरियर' तथा 48 शाखा डाकघर 'प्लेटिनम वॉरियर' के रूप में घोषित किए जा चुके हैं। यह उपलब्धि परिक्षेत्र के सभी मण्डलाधीक्षकों, उपमंडलाध्यक्षों, पोस्टमास्टरों, ब्रांच पोस्टमास्टरों तथा फील्ड स्टाफ के सामूहिक प्रयास, बेहतर समन्वय और मजबूत टीम भावना का प्रतिफल है।

एस डी एम मैहर ने की दो दुकानें निलंबित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

मैहर। कलेक्टर विदिशा मुखर्जी ने राशन दुकान से हितग्राहियों

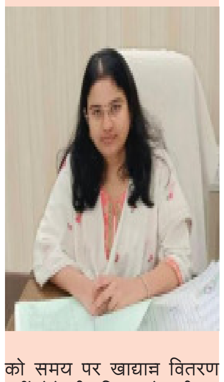

को समय पर खाद्यान्न वितरण नहीं होने की प्रक्रिया को गंभीरता से लिया है।कलेक्टर के निर्देशानुसार एस डी एम मैहर दिव्या पटेल ने मैहर विकास खण्ड की दो राशन दुकान को निलंबित करते हुए उपभोक्ताओं को नजदीक की राशन दुकान से संबद्ध किया है। शासन के निर्देशानुसार राशन दुकान से प्रत्येक माह की 15 तारीख तक शत प्रतिशत राशन बांट दिया जाना चाहिए।

शासकीय उचित मूल्य दुकान गिरगिटा द्वारा 1.43फीसदी खाद्यान्न वितरित करने और शासकीय उचित मूल्य दुकान महेदर द्वारा अब तक 0.32फीसदी खाद्यान्न ही वितरित करने पर एस डी एम दिव्या पटेल ने दोनों दुकानों को निलंबित कर दिया है। गिरगिटा की दुकान प्राथमिक महिला सहकारी उपभोक्ता भंडार और महेदर की दुकान को कान्हा आजीविका स्व सहायता समूह से संबद्ध किया गया है।

मध्य प्रदेश-शहडोल ब्यौहारी, 'शिक्षा या कारोबार..,निजी स्कूलों की मनमानी के खिलाफ युवा कांग्रेस का तीखा विरोध

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

शहडोल/ब्यौहारी। शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ती व्यावसायिक प्रवृत्तियों को

लेकर ब्यौहारी में अब आवाज़ बुलंद होने लगी है। ब्लॉक युवा कांग्रेस कमेटी, ब्यौहारी ने निजी स्कूलों की कथित मनमानी के खिलाफ प्रशासन का ध्यान आकर्षित करते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में समिति के अध्यक्ष आयुष्मान ताम्रकार के नेतृत्व में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि नए शैक्षणिक सत्र के शुरू होते ही क्षेत्र के कई निजी विद्यालयों ने बिना किसी ठोस आधार के ट्यूशन फीस और अन्य शुल्कों में भारी बढ़ोतरी कर दी है। यह बढ़ोतरी न केवल शासन के नियमों के विपरीत बताई जा रही है, बल्कि मध्यम और निम्न वर्गीय परिवारों के लिए गंभीर आर्थिक संकट का कारण भी बन रही है। किताबों और ड्रेस में 'फिक्सिंग' का आरोप मामले का सबसे चिंताजनक पहलू यह सामने आया है कि कई स्कूलों द्वारा चुनिंदा निजी प्रकाशकों की महंगी किताबें अनिवार्य कर दी गई हैं। अभिभावकों को इन्हें केवल स्कूल द्वारा तय की गई विशेष दुकानों से ही खरीदने के लिए बाध्य किया जा रहा है। आरोप है कि इन दुकानों और स्कूल प्रबंधन के बीच कमीशन आधारित गठजोड़ है, जिससे अभिभावकों को अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है। यही स्थिति स्कूल ड्रेस के मामले में भी देखने को मिल रही है, जहां निर्धारित दुकानों से ही यूनिफॉर्म खरीदना अनिवार्य किया जा रहा है। बाजार में इन वस्तुओं की स्वतंत्र उपलब्धता न होने से अभिभावक खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग युवा कांग्रेस ने अपने ज्ञापन में स्पष्ट रूप से कहा है कि यह पूरा मामला 'शिक्षा के नाम पर खुली कालाबाजारी' का उदाहरण है। संगठन ने प्रशासन से मांग की है कि इस पर तत्काल जांच कर दोषी स्कूलों और संबंधित पक्षों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि अभिभावकों को राहत मिल सके। आंदोलन की चेतावनी- ब्लॉक युवा कांग्रेस कमेटी ने यह भी चेतावनी दी है कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो संगठन व्यापक स्तर पर आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। स्थानीय अभिभावकों में रोष- इस पूरे मुद्दे को लेकर अभिभावकों में भी भारी आक्रोश देखा जा रहा है। उनका कहना है कि शिक्षा जैसी बुनियादी आवश्यकता को मुनाफे का जरिया बनाना बेहद चिंताजनक है और इस पर तत्काल रोक लगनी चाहिए। अब निगाहें प्रशासन पर टिकी हैं कि वह इस गंभीर मुद्दे पर क्या रुख अपनाता है और आम जनता को राहत दिलाने के लिए कितनी जल्दी कदम उठाता है।

भारतीय श्रमजीवी पत्रकार संघ की गरिमामयी बैठक सम्पन्न, संगठन विस्तार के साथ कई अहम निर्णय

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

शहडोल। भारतीय श्रमजीवी पत्रकार संघ शहडोल जिला इकाई की मासिक बैठक 16 अप्रैल को स्थानीय सर्किट हाउस में दोपहर 12 बजे गरिमामय वातावरण में आयोजित की गई। बैठक में वर्ष 2026 के लिए सभी सदस्यों को परिचय पत्र (आई कार्ड) वितरित किए गए तथा आगामी आयोजनों को लेकर विस्तृत समीक्षा और रणनीति तैयार की गई। नेशनल काउंसलर एवं प्रदेश पदाधिकारी का हुआ सम्मान। इस विशेष बैठक का महत्व इसलिए भी बढ़ गया क्योंकि हाल ही में राष्ट्रीय स्तर पर नियुक्त किए गए पदाधिकारियों के सम्मान में यह पहली बैठक आयोजित हुई। आई.एफ.डब्ल्यू.जे. के राष्ट्रीय अध्यक्ष अवधेश भार्गव द्वारा, प्रांताध्यक्ष उपेंद्र गौतम की सहमति एवं संगठन प्रभारी राहुल सिंह राणा की अनुशंसा पर कमलेश श्रीवास्तव, गोपाल दास बंसल, अनिल द्विवेदी, मनोज सिंह एवं लुकमान अली को नेशनल काउंसलर नियुक्त किया गया। इस अवसर पर जिले के सभी सदस्यों एवं पदाधिकारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत एवं सम्मान किया। बैठक में नवनियुक्त मध्य प्रदेश संगठन प्रभारी राहुल सिंह राणा, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष अरविंद द्विवेदी एवं प्रदेश सचिव जुनैद खान की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही शहडोल शहर के लगभग आधा सैकड़ा पत्रकार साथियों ने सहभागिता कर संगठन की एकजुटता का परिचय दिया। संभागीय इकाई के लिए जिले के सदस्यों की घोसणा-बैठक के दौरान शहडोल संभागीय इकाई

के गठन एवं विस्तार की भी घोषणा की गई। जिसमें हारून रशीद खान संवाददाता बांधव भूमि शहडोल को कार्यकारी संभागीय अध्यक्ष, अखिलेश मिश्रा संवाददाता राजधानी न्यूज़ शहडोल को संभागीय महासचिव एवं सुश्री सुनीता सिंह संवाददाता जनसम्पर्क एक्सप्रेस को महिला प्रकोष्ठ प्रभारी नियुक्त किया गया। वहीं गोपाल जेठानी (सिटी केबल), प्रतीक मिश्रा (पब्लिक ऐप), गणेश केवट (प्राइम न्यूज़), अमर श्रीवास्तव (सत्ता सुधार), संतोष कुमार गुप्ता (अपना लक्ष्य), नरेश वर्मा (नर्मदा की पुकार), महेंद्र सिंह पवार (जनसम्पर्क एक्सप्रेस), बृजवासी अग्रवाल (प्रदेश टुडे) एवं फरीद खान (समर्थ सहारा)को संभागीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अतिरिक्त सगीर खान (आस्था की शक्ति), जितेंद्र विश्वकर्मा (मारुति एक्सप्रेस) एवं छोटेलाल गुप्ता () को संभागीय सचिव, प्रदीप गुप्ता को कोषाध्यक्ष, सादिक खान (अमर उजाला), डी.एन. सोंधिया (हितवाद) एवं राजन त्रिपाठी (जन संदेश) को कार्यकारी सदस्य नियुक्त किया गया। श्यामदास मानिकपुरी (ईं न्यूज़) को संभागीय प्रवक्ता, सोशल मीडिया प्रभारी एवं संभागीय सचिव की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई। वहीं विधिक सलाहकार के रूप में संजय तिवारी (पत्रिका), शिरीष नंदन श्रीवास्तव (दैनिक भारती), राजबहोर यादव (शहडोल भास्कर), राहुल नामदेव (विराट भास्कर), दीपक केवट (भारत समाचार) एवं भानु प्रताप नापित (जनसम्पर्क एक्सप्रेस) को मनोनीत किया गया। जिला एवं संभागीय सम्मेलन 1 मई को बैठक में सर्वसम्मति से आगामी 1 मई 2026 को शहडोल संभागीय इकाई एवं जिला इकाई के शपथ ग्रहण समारोह एवं सम्मान समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इस महत्वपूर्ण आयोजन की जिम्मेदारी अनिल तिवारी (शहडोल), शमीम खान (धनपुरी), विजय गुप्ता (ब्यौहारी) एवं जिला महासचिव अजय कुमार पाल को सौंपी गई। साथ ही ब्लॉक स्तर पर अजय केवट (सोहागपुर), अजय सिंह (गोहपारू), सुनील द्विवेदी (जयसिंहनगर), सतीश तिवारी (ब्यौहारी), आशीष नामदेव (बुढ़ार) एवं सम्स खान (जैतपुर) को भी आयोजन में महत्वपूर्ण दायित्व दिए गए। इनकी रही उपस्थिति- बैठक में प्रमुख रूप सेराहुल सिंह राणा, अरविंद द्विवेदी, गोपाल दास बंसल, कमलेश श्रीवास्तव, मनोज सिंह, लुकमान अली, शैलेंद्र तिवारी, जुनैद खान, समीम खान, अनिल तिवारी, मोहम्मद असलम बाबा, संतोष गुप्ता, अहमद सैफी, शेख समीर, अशोक पटेल, भानु प्रताप नापित, पुष्पेंद्र मिश्रा, मोहम्मद जमाल खान, अजय कुमार मोटवानी, रोहित वर्मा, नरेश वर्मा, गोपाल जेठानी, लक्ष्मण सिंह, संजय चौधरी, राजबहोर यादव, हारून रशीद खान, दीपक केवट, अनीशा बी, सुनीता सिंह, इस्लाम खान, अमरदीप श्रीवास्तव, अखिलेश मिश्रा, शकील खान, अजय कुमार केवट, अजय कुमार पाल, गणेश केवट, अरुण कुमार द्विवेदी, श्यामदास मानिकपुरी, सगीर खान एवं समीर खान सहित शहर के अनेक पत्रकार उपस्थित रहे। बैठक ने न केवल संगठनात्मक मजबूती का संदेश दिया, बल्कि पत्रकारों के हितों की रक्षा और भविष्य की योजनाओं को लेकर एक मजबूत दिशा भी निर्धारित की।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जरियारी में उत्तीर्ण छात्र छात्रों का किया गया सम्मान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। गुरूवार को

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जरियारी के सभागार में कक्षा 9वीं, 10वीं, 11वीं एवं 12वीं के उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। यह आयोजन माध्यमिक शिक्षा मंडल, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा आयोजित वार्षिक परीक्षा के उत्कृष्ट परिणामों के उपलक्ष्य में किया गया। कार्यक्रम में शाला स्तर पर कक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कक्षा 12वीं में शिवम् तिवारी ने 93.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। द्वितीय स्थान पर लक्ष्मीकांत पटेल (86 प्रतिशत) तथा तृतीय स्थान पर साहिल पटेल (78 प्रतिशत) रहे। इसके अलावा कु. सुधा पटेल ने 74.5 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। कक्षा 10वीं में प्रियंका पटेल ने 94.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि आसमी पटेल (89.8 प्रतिशत) द्वितीय एवं राज पटेल (84.4 प्रतिशत) तृतीय स्थान पर रहे। संस्था प्रधान श्री रामसूचित यादव ने विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में सभी प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को पदक एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने विद्यार्थियों की सफलता पर हर्ष व्यक्त किया तथा उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

आईएमएस नोएडा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर पॉडकास्ट एवं शपथ कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नोएडा। आईएमएस नोएडा के एक्सटेंशन एवं आउटरीच सेल के तत्वावधान में नारी शक्ति वंदन

अधिनियम के प्रचार-प्रसार एवं जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पॉडकास्ट का आयोजन हुआ। पॉडकास्ट के दौरान राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका, सशक्तिकरण तथा उनके योगदान पर विमर्श किए गए। कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने महिला सम्मान, समान अधिकार और सशक्त समाज निर्माण का संकल्प भी लिया।

एक्सटेंशन एवं आउटरीच सेल की हेड बर्षा छबारिया ने बताया कि आज के कार्यक्रम के दौरान निठारी गांव की पूर्व प्रधान विमलेश शर्मा, नीरजा फुटपाथ शाला की संस्थापिका नीरजा सक्सेना, बहलोलपुर गांव की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आशा कुमारी एवं पूनम कुमारी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के महत्व, महिलाओं को राजनीतिक एवं सामाजिक भागीदारी में मिलने वाले अवसरों तथा महिला सशक्तिकरण की दिशा में इसके सकारात्मक प्रभावों पर अपने विचार साझा किए। पॉडकास्ट सत्र के उपरांत संस्थान के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने महिलाओं के सम्मान, समान अधिकार तथा समाज में उनकी भागीदारी को सुदृढ़ करने हेतु शपथ ली। विमलेश शर्मा ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी कदम है। यह अधिनियम महिलाओं को निर्णय प्रक्रिया में अधिक भागीदारी प्रदान करेगा, जिससे वे राजनीतिक, सामाजिक एवं प्रशासनिक क्षेत्रों में अपनी प्रभावी भूमिका निभा सकेंगी। उन्होंने कहा कि जब महिलाओं को नेतृत्व के अवसर मिलते हैं, तब समाज में सकारात्मक परिवर्तन, नई ऊर्जा और समावेशी विकास का मार्ग प्रशस्त होता है। यह अधिनियम देश की आधी आबादी को सम्मान, अधिकार और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का सशक्त माध्यम बनेगा। नीरजा सक्सेना ने कहा कि महिलाएं प्रतिभा, परिश्रम और संकल्प की मिसाल हैं। जब उन्हें समान अवसर, उचित मंच और प्रोत्साहन मिलता है, तो वे शिक्षा, विज्ञान, प्रशासन, खेल, व्यापार, कला तथा सामाजिक सेवा सहित प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं की क्षमता को पहचानना और उन्हें आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करना समाज और राष्ट्र की प्रगति के लिए अत्यंत आवश्यक है। महिलाएं केवल परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे समाज और देश के विकास की मजबूत आधारशिला हैं। वहीं आशा कुमारी एवं पूनम कुमारी ने कहा कि यह अधिनियम ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को भी आगे बढ़ने और नेतृत्व की दिशा में प्रेरित करेगा।

मा0 उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में गो संरक्षण अनुश्रवण एवं मूल्यांकन समिति की बैठक सम्पन्न

मा0 उपाध्यक्ष ने विभिन्न गो आश्रय स्थलों का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। मा0 उपाध्यक्ष उ0प्र0 गो सेवा आयोग अतुल सिंह की अध्यक्षता में गो संरक्षण अनुश्रवण एवं मूल्यांकन समिति की समीक्षा बैठक विकास भवन स्थित महात्मा गांधी सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में मा0 उपाध्यक्ष द्वारा निर्देशित किया गया कि वर्तमान समय में गेहूं की कटाई हो चुकी है इस समय हमें भूसा सस्ते दर पर मिल सकता है इसलिए सभी गौशालाओं में छः माह का भूसा का भंडारण सुनिश्चित करा लिया जाए तथा हरे चारे की पर्याप्त उपलब्धता के लिए गोचर भूमि का समुचित उपयोग किया जाए। गौशालाओं के आस-पास गोचर की भूमि को चिन्हित कर उनको गौशालाओं के सर्पुद्र किया जाये, जिससे गोवंशों के लिए हरे चारे की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। किसानों के साथ समन्वय स्थापित किया जाए, विकास खण्डों में गोष्ठी के द्वारा किसानों को गो आधारित खेती करने हेतु प्रेरित किया जाये। ग्रीष्मकाल को दृष्टिगत रखते हुए स्वच्छ पेयजल, जूट/तात के पर्दों, पंखों एवं पानी के छिड़काव के माध्यम

से गोवंशों को लू एवं अत्यधिक तापमान से बचाने की प्रभावी व्यवस्था की जाए। बीमार गोवंशों के लिए पृथक सिक वार्ड की व्यवस्था तथा नियमित चिकित्सा निगरानी सुनिश्चित करने पर भी बल दिया गया। इसके अतिरिक्त गोशालाओं में स्वच्छता, सीसीटीवी निगरानी एवं विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा गोबर एवं गोमूत्र आधारित उत्पादों के निर्माण के माध्यम से प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के निर्देश दिए गए। मा0 उपाध्यक्ष द्वारा गोवंश संरक्षण एवं संवर्धन को और अधिक सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ नवाचार को बढ़ावा देने पर बल दिया गया, जिससे गोशालाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि जनपद रायबरेली में गोसंरक्षण में अच्छा कार्य किया गया है इसकी मैं सरहना करता हूँ। इससे पूर्व मा0 उपाध्यक्ष, उ0प्र0 गो सेवा आयोग अतुल सिंह द्वारा जनपद रायबरेली के कान्हा गोवंश विहार, त्रिपुला (अमावां), अस्थाई गो आश्रय स्थल- लोधवारी एवं वृहद गो आश्रय केंद्र- बेलखारा, ब्लॉक राही का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान गोवंशों के संरक्षण, पोषण एवं समुचित प्रबंधन की व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए उन्हें और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। विभिन्न स्थलों पर हरे चारे की खेती, वर्मीकम्पोस्ट निर्माण एवं ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों के उपयोग जैसी पहलें संचालित पाई गईं, जिन्हें और व्यापक रूप से विकसित करने पर बल दिया गया। साथ ही गोवंशों के लिए पेयजल व्यवस्था को और अधिक सुलभ एवं व्यवस्थित बनाने तथा चारे की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। वृहद गो आश्रय केंद्रों में चारा उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ-साथ साइलेज जैसी व्यवस्थाओं का उपयोग किया जा रहा है। गोबर के समुचित निस्तारण एवं गोशालाओं की आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने हेतु बायोगैस संयंत्रों की स्थापना को भी प्रोत्साहित किया गया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता, अपर पुलिस अधीक्षक आलोक सिंह, अपर निदेशक पशुपालन डॉ. अजय कुमार कन्नौजिया, परियोजना निदेशक डीआरडीए सतीश प्रसाद मिश्रा, जिला विकास अधिकारी अरूण कुमार, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ0 कुलदीप कुमार द्विवेदी सहित संबंधित अधिकारीगण व प्रधान, सचिव आदि उपस्थित रहें।

मध्यप्रदेश के बैढन में दिनदहाड़े बैंक लूट के मद्देनज़र बीजपुर में सघन नाकाबंदी की गई

सोनभद्र। मध्यप्रदेश के बैढन में दिनदहाड़े हुई बैंक लूट की वारदात के बाद उत्तर प्रदेश रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, ऐसी आशंका जताई जा रही है कि बैंक लूटने के बाद बदमाश इलाकों में बैरियर लगाकर सघन चेकिंग की जा रही है। पुलिस सीमावर्ती क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी

के सीमावर्ती इलाकों में हड़कंप मच गया है। लुटेरों के यूपी सीमा में दाखिल होने की आशंका के चलते सोनभद्र के बीजपुर में पुलिस पूरी तरह मुस्तैद हो गई है। घटना की सूचना मिलते ही बीजपुर पुलिस ने मध्यप्रदेश सीमा से सटे सिरसोती बॉर्डर सहित सभी प्रमुख रास्तों की घेराबंदी कर दी है। आने-जाने वाले हर वाहन की सघन तलाशी ली जा उत्तर प्रदेश के बीजपुर की ओर भागे हैं। बैरियर लगाकर सघन चेकिंग की जा रही बीजपुर थानाध्यक्ष राजेश सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अलर्ट मोड पर है। संदिग्धों की धरपकड़ के लिए सिरसोती स्थित मध्यप्रदेश बॉर्डर और अन्य गुप्त रास्तों पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। बीजपुर और आसपास के कैमरों को खंगाल रही है और जंगलों व सुनसान रास्तों पर गश्ती बढ़ा दी गई है। पुलिस बदमाशों के हुलिए और भागने की दिशा को लेकर मध्यप्रदेश पुलिस से लगातार संपर्क में है। इस सघन चेकिंग अभियान के कारण बॉर्डर पर वाहनों की लंबी कतारें देखी जा रही हैं, लेकिन सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस कोई ढील बरतने के मूड में नहीं है।

दो बाइकों की टक्कर-तीन गंभीर रूप से घायल, दो जिला अस्पताल रेफर

सोनभद्र। दुद्धी कोतवाली क्षेत्र के तुरीडी गांव के पास शुक्रवार को

करीब 5बजे एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीणों की तत्परता से सभी घायलों को एंबुलेंस के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद दो की हालत नाजुक देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। तेज रफ्तार और आमने-सामने टक्कर बनी वजह- मिली जानकारी के अनुसार रन्नु गांव निवासी कामेश्वर (50) पुत्र सोना बच्चा अपनी बाइक से महुआरिया गांव में एक विवाह समारोह में शामिल होने जा रहे थे। वहीं दूसरी ओर नगवा निवासी देव सिंह (22) पुत्र रामधनी और रवि शंकर (27) पुत्र रुस्तम अपने दोस्त की शादी में शामिल होकर धनखोर गांव से लौट रहे थे। इसी दौरान तुरीडी गांव के पास दोनों बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बाइकों के परखच्चे उड़ गए। ग्रामीणों ने दिखाई तत्परता, पहुंचाया अस्पताल-हादसे के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और गंभीर रूप से घायल तीनों युवकों को सड़क किनारे सुरक्षित स्थान पर लाकर एंबुलेंस को सूचना दी। समय रहते एंबुलेंस पहुंचने पर सभी घायलों को दुद्धी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। सीएचसी दुद्धी में तैनात चिकित्सक डॉ. शाह आलम अंसारी ने बताया कि घायलों को सर समेत शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। प्राथमिक उपचार के बाद कामेश्वर और देव सिंह की हालत नाजुक देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया है, जबकि रवि शंकर का इलाज सीएचसी में जारी है।

10 दिन पहले विशाखापत्तनम से गांव आया व्यक्ति बावली में डूबा, मौत

सोनभद्र। जिले के बभनी थाना क्षेत्र स्थित नधीरा गांव के चितपहरी टोला में शुक्रवार दोपहर एक युवक की बावली में डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान नधीरा निवासी 26 वर्षीय आदित्यलाल पुत्र नंदलाल के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, आदित्यलाल विशाखापत्तनम में वेल्डर का काम करता था। वह 15 अप्रैल को पड़ोसी के यहां आयोजित शादी समारोह में शामिल होने के लिए करीब दस दिन पहले ही अपने घर लौटा था। शुक्रवार दोपहर लगभग एक बजे आदित्यलाल घर से करीब सौ मीटर दूर स्थित एक बावली में नहाने गया था। नहाने के दौरान वह अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा।घटना के समय पास में खेल रही एक आठ वर्षीय बच्ची ने शोर मचाया, जिसके बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और युवक को बावली से बाहर निकाला।

उसे तुरंत एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र म्योरपुर ले जाया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सक डॉ. शिशिर श्रीवास्तव ने जांच के बाद आदित्यलाल को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए दुद्धी भेज दिया।

सीएचसी में एएनएम की बैठकःटीकाकरण, परिवार कल्याण कार्यों की समीक्षा

सोनभद्र। जनपद के घोरावल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सभागार में शुक्रवार को

एएनएम की एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक चली इस बैठक में 20 अप्रैल से ब्लॉक के सभी स्कूलों में चलाए जाने वाले टीटी और डीपीटी अभियान की तैयारियों की समीक्षा की गई। इसके साथ ही, नियमित टीकाकरण कार्यों की विस्तृत समीक्षा भी की गई। अभिभावकों और स्कूल कर्मचारियों को बच्चों का टीकाकरण कराने के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया गया। बैठक में आरआई (नियमित टीकाकरण) और आयुष्मान कार्ड से संबंधित कार्यों की प्रगति पर भी चर्चा हुई। एएनएम को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए परिवार कल्याण और जनसंख्या स्थिरीकरण से संबंधित योजनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। सभी एएनएम को निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में टीकाकरण कार्यों को समयबद्ध और शत-प्रतिशत पूरा करें। उन्हें संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय रूप से कार्य करने के लिए भी कहा गया। बैठक में बीपीएम प्रशांत दुबे, कोल्ड चेन हैंडलर प्रवीण दुबे और डब्ल्यूएचओ मॉनिटर अंजनी पांडेय ने सभी एएनएम को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। अंत में, सभी प्रतिभागियों से स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की अपेक्षा की गई। बैठक में पूनम, उषा, ललिता, निधि, खुशबू सहित लगभग पचास एएनएम ने भाग लिया।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

डी कॉक ने धोनी को पीछे छोड़ा, श्रेयस के बेहतरीन कैच से हार्दिक आउट,मुंबई के सेकेंड इंडविजुअल स्कोरर भी बने

मुंबई। पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2026 के 24वें मैच में मुंबई इंडियंस को 7 विकेट से हरा दिया। वानखेड़े स्टेडियम में क्विंटन डी कॉक ने बतौर विकेटकीपर सबसे ज्यादा 50प्लस स्कोर के मामले में एमएस धोनी को पीछे छोड़ा। गुरुवार को डी कॉक नाबाद 112 रन बनाकर मुंबई के लिए दूसरे सबसे बड़े व्यक्तिगत स्कोरर बने। पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर के डाइविंग कैच से हार्दिक पंड्या पवेलियन लौटे। 1. डी कॉक ने 25वीं बार 50प्लस स्कोर बनाया-क्विंटन डी कॉक ने आईपीएल में बतौर विकेटकीपर अपना 25वां 50प्लस स्कोर पूरा किया। सबसे ज्यादा फिफ्टी प्लस स्कोर के मामले में वे दूसरे स्थान पर पहुंच गए। विकेटकीपर के तौर पर सबसे ज्यादा 50प्लस स्कोर केएल राहुल (31) के नाम हैं, जबकि उनके बाद एमएस धोनी (24), दिनेश कार्तिक

(21) हैं। 2. डी कॉक मुंबई के सेकेंड हाईएस्ट इंडविजुअल स्कोरर-क्विंटन डी कॉक ने इस मैच में नाबाद 112 रन बनाकर मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल में दूसरा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर बनाया। इस लिस्ट में टॉप पर सनथ जयसूर्या (114) हैं, जिन्होंने 2008 में यह पारी खेली थी। डी कॉक ने रोहित शर्मा को पीछे छोड़कर दूसरा स्थान हासिल किया। 3. डी कॉक का 9वां टी-20 शतक- टी-20 क्रिकेट में डी कॉक ने नौवां शतक पूरा किया। सबसे ज्यादा शतक के मामले में टॉप पर क्रिस गेल (22) हैं। उनके बाद बाबर आजम (11) और डेविड वॉर्नर (10) हैं। यह आईपीएल में पंजाब किंग्स के खिलाफ किसी मुंबई बल्लेबाज का दूसरा शतक है। इससे पहले लेंडल सिमंस ने 2014 में मोहाली में नाबाद 100 रन बनाए थे। डी कॉक उन विकेटकीपर बल्लेबाजों में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने आईपीएल की तीन अलग-अलग टीमों के लिए शतक लगाए हैं। इस लिस्ट में केएल राहुल और संजू सैमसन के साथ क्विंटन डी कॉक का नाम जुड़ गया है। 4. प्रभसिमरन ने 25 साल की उम्र में बनाया रिकॉर्ड- प्रभसिमरन सिंह ने 25 साल की उम्र में पंजाब किंग्स के लिए सबसे ज्यादा 50प्लस स्कोर बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने 10 बार 50 या उससे ज्यादा रन बनाए हैं। इस मामले में उन्होंने डेविड मिलर (9) और शॉन मार्श (6) को पीछे छोड़ दिया। यहां से टॉप-8 मोमेंट्स-1. अर्शदीप सिंह के 100 आईपीएल विकेट-तीसरे ओवर में अर्शदीप सिंह ने आईपीएल में अपने 100 विकेट पूरे किए। पहली गेंद पर उन्होंने रायन रिकेल्टन को आउट किया। लेग साइड की गेंद पर रिकेल्टन का कैच शशांक सिंह ने पकड़ा। अगली गेंद पर सूर्यकुमार यादव भी आउट हो गए। सूर्या का कैच चहल ने लिया। इसी के साथ अर्शदीप आईपीएल में 100 या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले प्रमुख लेफ्ट-आर्म पेसर्स की सूची में शामिल हो गए। इस लिस्ट में ट्रेंट बोल्ट (144), जयदेव उनादकट (114), आशीष नेहरा (106) और जहीर खान (102) शामिल हैं। अर्शदीप पंजाब किंग्स के लिए 100 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने। उनसे पहले टीम के लिए सबसे ज्यादा विकेट पीयूष चावला (84) के नाम थे। दिलचस्प बात यह रही कि पावरप्ले में IPL में 11 पारियों (21.1 ओवर) के बाद यह उनका पहला विकेट था। टी-20 क्रिकेट में भी यह पिछले 9 मैचों के बाद पावरप्ले में उनका पहला विकेट रहा। 2. नमन धीर का कैच चहल से छूटा-चौथे ओवर की दूसरी गेंद पर नमन धीर को जीवनदान मिला। मार्को यानसन ने ऑफ स्टंप के बाहर लेंथ गेंद डाली, जिस पर धीर ने स्कूप शॉट खेलने की कोशिश की। गेंद बल्ले पर सही तरीके से नहीं लगी और शॉर्ट फाइन लेग की ओर हवा में चली गई। वहां युजवेंद्र चहल के पास आसान कैच का मौका था, लेकिन वे पकड़ नहीं सके और गेंद हाथों से छूट

गई। चहल ने इशारा किया कि रोशनी की वजह से उन्हें गेंद नजर नहीं आई। 3. डी कॉक ने रिवर्स शॉट पर चौका लगाकर शतक पूरा किया-18वें ओवर की आखिरी गेंद पर क्विंटन डी कॉक ने चौका लगाकर अपना शतक पूरा किया। जेवियर बार्टलेट ने ऑफ स्टंप के बाहर लो फुल टॉस डाली, जिस पर डी कॉक ने झुककर रिवर्स लैप शॉट खेला।

उन्होंने गेंद की रफ्तार का इस्तेमाल करते हुए उसे शॉर्ट थर्ड मैन के आगे से बाउंड्री तक पहुंचाया। 4. हार्दिक पंड्या के आईपीएल में 150 सिक्स पूरे-18वें ओवर की पहली गेंद पर हार्दिक पंड्या ने छक्का लगाकर आईपीएल में अपने 150 सिक्स पूरे किए। मार्को यानसन की बैक ऑफ लेंथ गेंद पर हार्दिक ने सामने की ओर शॉट खेला और गेंद बाउंड्री के पार गई। 5. श्रेयस अय्यर के बेहतरीन कैच से हार्दिक आउट- 18वें ओवर की तीसरी गेंद पर हार्दिक पंड्या आउट हो गए। यानसन ने धीमी गति से बाहर जाती गेंद डाली, जिस पर हार्दिक बड़ा शॉट खेलने गए, लेकिन गेंद बल्ले के ऊपरी हिस्से पर लगी और हवा में गई। लॉन्ग-ऑन से दौड़ते हुए श्रेयस अय्यर ने शानदार प्रयास किया। उन्होंने बाउंड्री के पास छलांग लगाकर कैच लिया, लेकिन संतुलन बिगड़ने पर गेंद को हवा में उछाला, जिसे पास खड़े जेवियर बार्टलेट ने पूरा किया। 6. यानसन की यॉर्कर से रदरफोर्ड का बैट टूटा- 18वें ओवर की आखिरी दो बॉल में मार्को यानसन ने रदरफोर्ड को यॉर्कर डाली। गेंद अंदर आई और रदरफोर्ड उसे ठीक से खेल नहीं पाए। बल्ले का किनारा लगकर गेंद शॉर्ट थर्ड मैन की ओर गई और इस दौरान उनका बल्ला ऊपर से टूट गया। 7. बुमराह ने प्रभसिमरन का कैच छोड़ा-चौथे ओवर में प्रभसिमरन सिंह को जीवनदान मिला। ओवर की पहली बॉल हार्दिक पंड्या ने ऑफ स्टंप के बाहर शॉर्ट पिच फेंकी। प्रभसिमरन ने कट शॉट खेला, बॉल जसप्रीत बुमराह की ओर गई, लेकिन वे कैच नहीं पकड़ सके। 8. श्रेयस की चौके से फिफ्टी-15वें ओवर में श्रेयस अय्यर ने भी फिफ्टी पूरी कर ली। उन्होंने 37 बॉल पर हाफ सेंचुरी पूरी की। अय्यर ने बुमराह की चौथी बॉल पर चौका लगाया और अर्धशतक पूरा किया।

एसिड से बन रहा नकली पनीर,इन 4 तरीकों से करें असली-नकली की पहचान, होटल-रेस्त्रां में कभी न खाएं ये चीजें

नयी दिल्ली। मार्च के पहले हफ्ते में सूरत के फूड डिपार्टमेंट ने 1400 किलो नकली पनीर जब्त किया। वहीं अप्रैल के दूसरे हफ्ते पंजाब में खुलासा हुआ कि कुछ डेयरियां टॉयलेट क्लीनर और फ्लोर

क्लीनिंग एसिड से पनीर बना रही हैं। ये केमिकल शरीर के लिए बेहद खतरनाक हैं। ये डाइजेस्टिव सिस्टम से लेकर किडनी-लिवर तक को गंभीर रूप से डैमेज कर सकते हैं। इसलिए आज जरूरत की खबर में जानेंगे कि- नकली पनीर खाने से कौन-सी हेल्थ प्रॉब्लम्स हो सकती हैं? असली-नकली पनीर की पहचान कैसे करें? समझेंगे विषय को डॉ. उमेश कुमार, फूड एनालिस्ट, फूड सेफ्टी एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन, उत्तर प्रदेश जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- नकली पनीर कैसे बनता है? जवाब- नकली पनीर को असली जैसा दिखाने के लिए इसे सस्ते वनस्पति या सिंथेटिक चीजों से तैयार किया जाता है। पॉइंटर्स से समझिए, इसमें क्या मिलाया जाता है- स्टार्च/मैदा बेस्ड पनीर,स्टार्च (जैसे आलू/कॉर्न स्टार्च) या मैदा को पानी में मिलाकर गाढ़ा किया जाता है। इसमें वनस्पति तेल और केमिकल एजेंट मिलाकर 'ठोस ब्लॉक' जैसा बनाया जाता है। वनस्पति तेल और स्किम्ड मिल्क पाउडर बेस्ड पनीर,सस्ता दूध पाउडर, हाइड्रोजेनेटेड तेल और इमल्सिफायर मिलाए जाते हैं। यह मिश्रण पनीर जैसा सफेद और सॉफ्ट टेक्सचर देता है। डिटर्जेंट/सिंथेटिक एडिटिव्स-कुछ मामलों में इसे झागदार/सफेद दिखाने के लिए डिटर्जेंट या सस्ते केमिकल्स मिलाए जाते हैं। रबर/प्लास्टिक-टाइप इमिटेशन। कुछ जगहों पर सख्त टेक्सचर देने के लिए सिंथेटिक रेजिन जैसी चीजों का इस्तेमाल किया जाता है। सवाल- एसिड, टॉयलेट क्लीनर से बना पनीर खाना कितना खतरनाक हो सकता है? जवाब- एसिड या टॉयलेट क्लीनर से बना पनीर खाने से कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं- इससे ऑर्गन डैमेज होने का रिस्क रहता है। डाइजेस्टिव सिस्टम खराब हो सकता है। गंभीर मामलों में जानलेवा भी हो सकता है। सवाल- नकली पनीर का कोई भी खतरनाक रिएक्शन कितनी देर में दिखता है? जवाब- पॉइंटर्स में इसे ध्यान से समझिए- नकली पनीर खाने के कुछ घंटे बाद मुंह, गले और पेट में तेज जलन, उल्टी, खून के साथ उल्टी, तेज पेट दर्द, चक्कर, कमजोरी, नकली पनीर खाने के 2 दिन बाद आंतों में सूजन और अल्सर गंभीर डिहाइड्रेशन, किडनी डैमेज, लो ब्लड प्रेशर, सवाल- असली और मिलावटी पनीर की पहचान कैसे करें? जवाब- कुछ आसान तरीकों से असली और मिलावटी पनीर की

पहचान की जा सकती है- 1) वाटर टेस्ट कैसे करेंः-पनीर का छोटा टुकड़ा पानी में डालें। असली पनीरः-धीरे-धीरे पनीर नीचे बैठ जाता है। पानी सामान्य रहता है। मिलावटी पनीरः-पनीर पानी में तैरने लगता है। पानी थोड़ा धुंधला या झागदार हो जाता है। 2) रबिंग टेस्ट कैसे करेंः-पनीर को हाथ से हल्का रगड़ें। असली पनीरः-एक्स्ट्रा सॉफ्ट और जल्दी टूटता है। दानेदार टेक्सचर होता है। मिलावटी पनीरः-बहुत स्मूद, रबर जैसा या चिपचिपा होता है। प्लास्टिक जैसा दिखता है। 3) गंध और स्वाद-असली पनीरः- हल्की दूध जैसी खुशबू होती है। सादा, क्रीमी स्वाद होता है। मिलावटी पनीरः-अजीब केमिकल/साबुन जैसी गंध होती है। कड़वा या अजीब टेस्ट होता है। 4) आयोडीन टेस्ट (स्टार्च चेक) कैसे करेंः- पनीर पर आयोडीन की 1-2 बूंद डालें। अगर पनीर का रंग नीला/काला हो जाए तो स्टार्च मौजूद है। अगर रंग न बदले तो असली है। सवाल- नकली पनीर सबसे ज्यादा कहां सप्लाई होता है? जवाब- नकली पनीर की सप्लाई हर उस जगह पर ज्यादा होती है, जहां सस्ता खाना मिल रहा है। जहां पर डिमांड ज्यादा है और प्रॉपर क्वालिटी चेक की कोई व्यवस्था नहीं है। जैसे-ढाबे और छोटे रेस्टोरेंट-स्ट्रीट फूड वेंडर्स-शादियां और बड़े इवेंट (कैटरिंग) लोकल डेयरी,अनब्रांडेड सप्लाई चेन,सस्ते होटेल/मेस/कैंटीन, सवाल- होटल/ढाबे में खाना खाते समय किन बातों का ध्यान रखें? जवाब- इन जगहों पर हाइजीन का ध्यान तो रखना ही चाहिए। लेकिन साथ ही कोई भी ऐसी चीज नहीं खानी चाहिए, जिसमें पनीर हो।खाना ऑर्डर करते समय इन बातों का ध्यान रखें -किचन/काउंटर की सफाई। खाना ताजा बन रहा है या नहीं। स्टाफ ग्लव्स/हाइजीन फॉलो कर रहा है या नहीं। अजीब गंध या रंग दिखे तो अवॉइड करें। शक हो तो खाना छोड़ देना बेहतर है। सवाल- सबसे सुरक्षित पनीर कौन सा है? जवाब- घर का बना पनीर सबसे शुद्ध और सेफ होता है क्योंकि इसे दूध फाड़कर घर पर ही तैयार किया जाता है। अगर घर पर पनीर बनाना मुमकिन नहीं है तो ऐसे में- भरोसेमंद लोकल डेयरी का ताजा पनीर लें-अगर किसी डेयरी को लंबे समय से जानते हैं। वहां का पनीर लिया जा सकता है। इनकी सप्लाई चेन छोटी होती है। इसलिए मिलावट की गुंजाइश कम होती है। हालांकि अगर डेयरी अनवेरिफाइड है तो मिलावट का खतरा रहता है। एफएसएसएआई अप्रूव्ड पैकेज्ड ब्रांडेड पनीर क्वालिटी चेक और स्टैंडर्डाइज्ड प्रोसेस से होकर गुजरता है। पैकिंग, एक्सपायरी डेट और बैच नंबर मौजूद होता है। मिलावट की संभावना कम होती है। सवाल- पैकेज्ड पनीर खरीदते समय लेबल पर क्या देखें? जवाब- पैकेज्ड पनीर लेते समय लेबल पढ़ना सबसे जरूरी है। पनीर के पैकेट की क्वालिटी, हाइजीन और ट्रेसेबिलिटी तय करने के लिए लेबल पढ़ना जरूरी है। सवाल- अगर गलती से नकली पनीर खा लिया है तो तुरंत क्या करें? जवाब- अगर गलती से नकली पनीर खा लिया है, तो घबराने की जरूरत नहीं है। सबसे पहले खूब पानी पिएं, ताकि शरीर से टॉक्सिन बाहर निकल सकें। अगर मतली, उल्टी, पेट दर्द या दस्त जैसे लक्षण दिखें, तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। क्या न करें? उल्टी कराने की कोशिश। दूध/नींबू/जैसे घरेलू उपाय। सवाल- अगर कहीं नकली पनीर मिले तो उसकी शिकायत कहां और कैसे करें? जवाब- नकली पनीर में मिलावट का शक हो तो संबंधित फूड अथॉरिटी में शिकायत कर सकते हैं। इसके लिए- एफएसएसएआई के 'फूड सेफ्टी कनेक्ट' एप से शिकायत दर्ज करें। एफएसएसएआई की वेबसाइट पर ऑनलाइन शिकायत करें। राज्य के फूड सेफ्टी विभाग से संपर्क करें। नजदीकी नगर निगम या फूड इंस्पेक्टर को जानकारी दें। शिकायत के समय प्रोडक्ट की फोटो, पैकेजिंग और बिल जरूर शेयर करें।

दावा- विराट ने अवनीत कौर सहित एक जर्मन मॉडल की फोटो लाइक की,एक व्यक्ति ने स्क्रीनशॉट शेयर किए

नयी दिल्ली। क्रिकेटर विराट कोहली जर्मन मॉडल लिजलाज

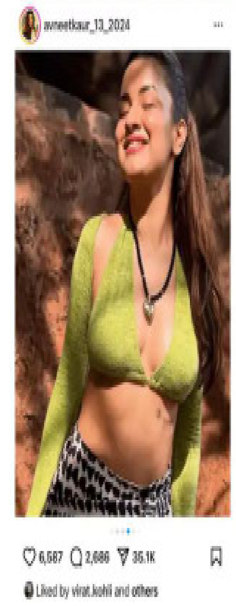

की एक फोटो को लाइक करने को लेकर चर्चा में आ गए। लिजलाज की फोटो क्लिक करने वाले फोटोग्राफर अद्वैत वैद्य ने स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए दावा किया है कि विराट के आधिकारिक अकाउंट से लिजलाज की एक पुरानी फोटो को लाइक किया गया है।अद्वैत ने कैप्शन में लिखा, 'इस पर कैसे रिएक्ट करें... जब GOAT विराट कोहली, आपकी पोस्ट लाइक कर दें। मैं और लिजलाज अभी भी अपनी आंखें मलकर देख रहे हैं कि ये सच में हो रहा है या नहीं... हाहा... धन्यवाद GOAT' बता दें कि लिजलाज एक जर्मन-दक्षिण अफ्रीकी मॉडल, व्लॉगर और इन्फ्लुएंसर हैं, जो भारत में अपने ट्रैवल कंटेंट (जैसे 'सामासा सामासा' वीडियो) के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने फिल्मीमंत्रा को दिए इंटरव्यू में बताया था कि विराट कोहली उनके पसंदीदा क्रिकेटर हैं। सोशल मीडिया पर जैसे ही विराट कोहली के लाइक वाला स्क्रीनशॉट वायरल हुआ, तो कई यूजर्स ने इस पर रिएक्शन दिए।

हालांकि अब तक यह साफ नहीं हो पाया है कि कोहली ने सच में इसे लाइक किया था या फिर यह किसी एल्गोरिदम की गलती है। गौरतलब है कि पिछले साल मई 2025 में विराट ने एक्ट्रेस अवनीत कौर की एक फोटो को लाइक किया था। जिसको लेकर कोहली ने सफाई देते हुए कहा था, 'मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि फीड क्लियर करते समय ऐसा लगता है कि एल्गोरिदम ने गलती से कोई इंटरैक्शन रजिस्टर कर लिया है। इसके पीछे मेरा कोई इरादा नहीं था। मैं आपसे निवेदन करता हूं कि कृपया बेवजह कोई भी बातें नहीं बनाएं। समझने के लिए धन्यवाद।'

गर्मियों में जल्दी खराब होता खाना,फूड स्टोरेज के 24 टिप्स

लखनऊ। गर्मियों में खाने-पीने की चीजें जल्दी खराब होती हैं। फूड स्टोरेज की छोटी-छोटी गलतियों को नजरअंदाज करने से फूड पॉइजनिंग, डायरिया और पेट से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में सही फूड स्टोरेज बीमारियों से बचाव का अहम हिस्सा है। इसलिए आज जरूरत की खबर में जानेंगे कि- गर्मियों में फूड स्टोरेज के बेसिक रूल्स क्या हैं? किन गलतियों से बचना चाहिए? अलग-अलग फूड आइटम्स को कैसे स्टोर करें? विषय को समझेंगे-एक्सपर्ट- डॉ. पूनम तिवारी, सीनियर डाइटीशियन, डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से -सवाल- गर्मियों में खाने-पीने की चीजों का सही स्टोरेज क्यों जरूरी है? जवाब- गर्मियों में ज्यादा तापमान होने पर बैक्टीरिया तेजी से बढ़ते हैं। इससे खाने में टॉक्सिन्स बन सकते हैं। सही स्टोरेज (फ्रीजिंग, एयरटाइट कंटेनर) बैक्टीरिया की ग्रोथ को धीमा कर सकते हैं या रोक सकते हैं, जिससे खाना सेफ रहता है।सवाल- गर्मियों में खाना जल्दी खराब क्यों होता है? जवाब- इसके लिए कई फैक्टर्स जिम्मेदार हैं- ज्यादा तापमान बैक्टीरिया की ग्रोथ तेज करता है।गर्मी में खाने में मौजूद फैट्स तेजी से ऑक्सिडाइज्ड होने लगते हैं, जिससे ऑयली फूड्स में बदबू आने लगती है। हाई टेम्परेचर प्रोटीन ब्रेकडाउन को तेज कर देता है। खासकर दूध, दाल, मीट जैसे प्रोटीन-रिच फूड में ये प्रक्रिया जल्दी होती है, जिससे स्मेल बदलने लगती है। गर्मियों में ह्यूमिडिटी (नमी) ज्यादा होती है, जिससे पके भोजन, ब्रेड और फल जैसी चीजों में फंगस और यीस्ट तेजी से पनपते हैं। बार-बार तापमान बदलने (जैसे बाहर रखना, फिर फ्रिज में रखना) से खाना जल्दी खराब होता है। सवाल- गर्मियों में फूड स्टोरेज के बेसिक रूल्स क्या हैं? जवाब- गर्मियों में कुछ बेसिक स्टोरेज रूल्स अपनाना जरूरी है, ताकि खाना

सुरक्षित, ताजा और हेल्दी बना रहे। सवाल- कैसे पता चलेगा कि कोई फूड खराब हो गया है? जवाब- ये कोई रॉकेट साइंस नहीं है। अमूमन खाने की महक, टेक्सचर से पता चल जाता है कि ये खराब हो चुका है। लेकिन- गर्मी के मौसम में सिर्फ स्मेल, रंग, टेक्सचर पर भरोसा न करें। अगर तापमान 40 डिग्री से ऊपर है और खाना तीन घंटे से ज्यादा बाहर रखा है तो उसे न खाएं। खाने का स्वाद थोड़ा भी अजीब लगे तो उसे न खाएं। सवाल- गर्मियों में अलग-अलग फूड को स्टोर करने का सही तरीका क्या है? जवाब- नीचे हर तरह के फूड आइटम के स्टोरेज का तरीका डिटेल में पढ़ें। सब्जियां, हरी पत्तेदार सब्जियों को पहले अच्छे से धोकर सुखाएं। फिर पेपर टॉवल में लपेटकर फ्रिज में रखें। कटी हुई सब्जियों को एयरटाइट कंटेनर में करके फ्रिज में रखें। 24 घंटे के भीतर इस्तेमाल करें। वहीं आलू, प्याज, लहसुन जैसी जड़ वाली सब्जियां फ्रिज में न रखें। उसे ठंडी, सूखी जगह पर रखें। फल, कटे हुए फल तुरंत खा लें या फ्रिज में एयरटाइट बॉक्स में रखें। अंगूर और बेरीज जैसे फल धोकर और अच्छी तरह सुखाकर ही फ्रिज में रखें। पका हुआ खाना पका हुआ खाना 2 घंटे के अंदर फ्रिज में रख दें। सामान्य टेंपरेचर पर आने के बाद ही फ्रिज में रखें। इसे 1-2 दिन के भीतर खा लेना ही बेहतर होता है। दूध -दूध को उबालकर ठंडा करें। ठंडे दूध को फ्रिज के अंदर वाले शेल्फ में रखें। दही-दही को हमेशा ढककर फ्रिज में रखें। दही निकालते समय साफ चम्मच का इस्तेमाल करें। नॉन-वेज फूड- गर्मियों में नॉन-वेज फूड फ्रिज में 1-2 दिन से ज्यादा न रखें। अगर लंबे समय के लिए स्टोर करना हो तो इन्हें फ्रीजर में रखें। हमेशा अलग एयरटाइट कंटेनर में रखें, ताकि दूसरे खाने के साथ क्रॉस-कंटैमिनेशन न हो। ब्रेड और बेकरी आइटम -ब्रेड और बेकरी आइटम को सूखी जगह पर रखें। अगर ज्यादा दिनों तक स्टोर करना हो तो फ्रीज करें। ड्राई फूड-ड्राई फूड्स को एयरटाइट कंटेनर में रखें। नमकीन और बिस्कुट जैसे स्नैक्स अच्छी तरह सील करके और नमी से दूर रखें।ड्रिंक्स-फ्रेश जूस को तुरंत पी लें। अगर स्टोर करना हो तो 24 घंटे के अंदर यूज कर लें। पानी को हमेशा ढककर रखें। पानी को प्लास्टिक की बोतलों में लंबे समय तक स्टोर न करें। अचार और सॉस-अचार को सूखे चम्मच से निकालें। इसे समय-समय पर धूप में रखें। सॉस को फ्रिज में रखना बेहतर है। चॉकलेट और मिठाइयां चॉकलेट को ठंडी और सूखी जगह पर रखें। मिठाइयों को फ्रिज में स्टोर करें। मिठाइयों को 2-3 दिन के भीतर खत्म कर दें। सवाल- गर्मियों में फूड स्टोरेज से जुड़े मिथ और फैक्ट क्या हैं? जवाब- गर्मियों में फूड स्टोरेज को लेकर कई कॉमन प्रैक्टिस हैं, जिन्हें लोग बिना जांचे-परखे सच मान लेते हैं। ऐसे में जरूरी है कि सही और गलत के फर्क को समझा जाए। मिथ 1ः सभी फल और सब्जियां फ्रिज में रखने से ताजी रहती हैं। फैक्टः ऐसा नहीं है।

आलू, प्याज, लहसुन और एवाकाडो वगैरह फ्रिज में रखने से जल्दी खराब हो सकते हैं। इन्हें ठंडी और सूखी जगह पर रखें। मिथ 2ः बचा हुआ खाना फ्रिज में कई दिनों तक सुरक्षित रहता है। फैक्टः गर्मी में खाना जल्दी खराब होता है। पका भोजन 24 से 48 घंटों के भीतर खा लेना चाहिए। दोबारा अच्छी तरह गरम करके ही खाना चाहिए। मिथ 3ः फ्रिज में हर जगह तापमान बराबर होता है। फैक्टः फ्रिज के ऊपरी शेल्फ का तापमान सबसे कम होता है, जबकि दरवाजे का हिस्सा सबसे कम ठंडा होता है। मिथ 4ः बोतल बंद चीजें खराब नहीं होतीं। फैक्टः डिब्बाबंद फूड खोलने के बाद फ्रिज में रखना जरूरी है। बाहर खुला रखने से ये जल्दी खराब हो सकता है।

ग्रॉसरी शॉपिंग से सर्जरी तक कन्फ्यूजन का सबसे बेहतर हल है 'चेकलिस्ट'

जब आप अगला पैराग्राफ पढ़ना शुरू करेंगे तो यकीन मानिए उसे दोबारा पढ़ेंगे, क्योंकि वह काफी कन्फ्यूजिंग है। और अगर आप पूरा लेख पढ़ेंगे तो समझ जाएंगे कि जिंदगी में गलतियां क्यों होती हैं। अधिकतर गलतियां इसलिए नहीं होतीं कि हमें जानकारी नहीं होती, बल्कि हम अपनी जानकारी को सही से लागू नहीं कर पाते। तो फिर हल क्या है? एक चेकलिस्ट बनाइए। अब आप कन्फ्यूजन के लिए तैयार हो जाइए, और आगे इसे दूर करने का तरीका भी है।पिछले महीने एक-दूसरे से अनजान राधिका देवी और राधिका सिंह को एक ही समय पर वाराणसी के बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी (बीएचयू) के ट्रॉमा सेंटर में अलग-अलग भर्ती किया गया। राधिका देवी 71 साल की और राधिका सिंह 82 वर्ष की थीं। राधिका देवी न्यूरो डिपार्टमेंट में बेड नंबर 29 पर थीं। राधिका सिंह ऑर्थोपेडिक डिपार्टमेंट में बेड नंबर 17 पर थीं। राधिका देवी की स्पाइनल ट्यूमर सर्जरी, जबकि राधिका सिंह का हिप रिप्लेसमेंट होना था। दोनों की सर्जरी का समय एक ही था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 7 मार्च को सिंह की जगह देवी को ऑपरेशन थिएटर में ले जाया गया। एनेस्थीसिया देने के बाद सर्जिकल टीम ने देवी का ऑपरेशन शुरू कर दिया। जब सीनियर रेजिडेंट को ऑपरेशन की जगह पर अपेक्षित स्थिति नहीं दिखी तो टीम ने सीनियर डॉक्टर को अलर्ट किया। इसी बीच, नर्सिंग स्टाफ ने बताया कि थिएटर में गलत मरीज आ गया है। पूरी प्रक्रिया रोकी गई और परिवार को बिना कुछ बताए ही देवी को वापस भेज दिया गया। बाद में 18 मार्च को उनकी स्पाइनल ट्यूमर सर्जरी हुई और कुछ जटिलताएं होने के कारण 28 मार्च को उनकी मृत्यु हो गई। यह चूक तब सामने आई, जब उनके पोते मृत्युंजय पाल ने बीएचयू में इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के डायरेक्टर से शिकायत की।चूंकि हम में से ज्यादातर लोग मेडिकल प्रोफेशनल नहीं हैं, तो आइए आपको ग्रॉसरी स्टोर ले चलता हूं। सोचिए कि आपके परिवार ने शनिवार को दादाजी का 90वां बर्थडे मनाने का फैसला किया। आपकी पत्नी केक बनाना चाहती हैं। उन्होंने आपको किराने की लिस्ट दी, जो सामान आपको शुक्रवार शाम ऑफिस से लौटते वक्त लाना था। जब आप शेल्फ से सामान उठा रहे होते हैं तो बॉस का फोन आता है और वह चिल्लाते हैं कि आपने काम पूरा नहीं किया। सोने से पहले इसे पूरा कर देना। गुस्से और कन्फ्यूजन में आप मैदा भूल जाते हैं। नतीजतन, आपकी पत्नी केक नहीं बना पाएंगी। दोनों ही मामलों में जानकारी तो थी, लेकिन उसका उपयोग गलत हो गया। तो क्या करें? मुझे करीब दो दशक पहले पढ़ी डॉ. अतुल गवांडे की किताब 'द चेकलिस्ट मैनिफेस्टो' याद है, जिसमें गवांडे ऐसा समाधान बताते हैं, जिसे अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन ने भी अपनाया है। पेशे से सर्जन रहे लेखक लंबे व्यक्तिगत अनुभव के जरिए चेकलिस्ट कॉन्सेप्ट समझाते हैं। उन्होंने न सिर्फ अलग-अलग क्षेत्रों में चेकलिस्ट के असर पर रिसर्च की, बल्कि अस्पतालों में इसे लागू भी किया। वे कहते हैं कि कोई असामान्य घटना हो जाए तो कोई व्यक्ति वो काम भी भूल सकता है, जो वह सामान्यतः करता है। दूसरी बात, हम कम महत्वपूर्ण स्टेप्स छोड़ देते हैं, क्योंकि पिछली बार छोड़ा तो कुछ नहीं हुआ था। कोई कह सकता है कि 'यह कभी समस्या नहीं रही', लेकिन क्या गारंटी है कि अगली बार नहीं होगी? गवांडे कहते हैं कि हम चेकलिस्ट जैसी साधारण चीज के जरिए ऐसी विफलताओं से बच सकते हैं। यह हमें जरूरी स्टेप्स याद दिलाती है और उन्हें स्पष्टतः सामने रखती है। यह न सिर्फ वेरिफिकेशन संभव बनाती है, बल्कि बेहतर प्रदर्शन के लिए अनुशासन का भाव भी पैदा करती है। फंडा यह है कि अगली बार जब आप अपने जीवन या वर्कप्लेस पर किसी बड़े काम पर ध्यान दे रहें हों तो चेकलिस्ट जैसी छोटी चीज बनाना और इसे जांचते हुए टिक करना जरूर याद रखिएगा। एन. रघुरामन

लोगों का जीवन सुधारने के लिए अमीर बनने का इंतजार जरूरी नहीं

कई वर्षों बाद पिछले महीने केरल जाना मेरे लिए सुखद अनुभव रहा। 1980 के दशक में जब मैं पीएचडी कर रहा था तो केरल अपने बेहतरीन सामाजिक संकेतकों के लिए जाना जाने लगा था। मसलन, 1981 की जनगणना के समय केरल में 71फीसदी वयस्क महिलाएं साक्षर थीं, जबकि पूरे भारत में सिर्फ 26फीसदी थीं। शिशु मृत्यु दर 1,000 जन्मों पर 37 थी, जबकि भारत में यह 110 थी। ये उपलब्धियां तब थीं, जब केरल देश के सबसे गरीब राज्यों में से एक था। इससे पता चलता है कि गरीब देशों को लोगों का जीवन सुधारने के लिए अमीर बनने का इंतजार करने की जरूरत नहीं।

विकास के शुरुआती दौर में भी सरकार और समाज ऐसे कदम उठा सकते हैं, जिनसे हर व्यक्ति की बुनियादी जरूरतें पूरी हों। सभी को अच्छी शिक्षा देना इसका उदाहरण है, जो 'केरल मॉडल' का आधार है।

याद रखें, पुराने दिनों में केरल का सामाजिक ढांचा बेहद दमनकारी था। जब स्वामी विवेकानंद 19वीं सदी के अंत में केरल गए तो जाति-भेद की कठोरता देखकर विचलित हुए थे। वंचित जातियों को शिक्षा के अधिकार के लिए लंबा संघर्ष करना पड़ा है 1980 के दशक में जब केरल दुनिया में चर्चित होने लगा, तब कुछ विद्वानों ने चेतावनी दी कि केरल मॉडल टिकाऊ नहीं है।

आर्थिक निवेश के बजाय सामाजिक विकास को प्राथमिकता देने की केरल को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। लेकिन इन भविष्यवाणियों के विपरीत, केरल में सामाजिक संकेतक बेहतर होते रहे और लोगों की आय भी तेजी से बढ़ी। इसका कारण था कि राज्य की अर्थव्यवस्था बढ़ने लगी थी और बहुत से केरलवासी दुबई, सऊदी अरब और अन्य खाड़ी देशों में काम करने लगे। राज्य के अंदर और बाहर, दोनों ही जगह केरल ने अपने मानव संसाधन विकास का फायदा उठाया।कई मायनों में आज केरल का जीवन-स्तर तथाकथित विकसित देशों के बराबर है। उदाहरण के लिए, शिशु मृत्यु दर अब 1,000 जीवित जन्मों पर सिर्फ 5 है, जो अमेरिका से थोड़ी ही कम है। पूरे भारत में यह लगभग 25 है। इसी तरह, केरल में अधिकतर बच्चों को तीन साल की उम्र से ही प्री-स्कूल शिक्षा मिल जाती है, जबकि अमेरिका में यह सुविधा मुश्किल से आधे बच्चों को मिलती है। केरल कई क्षेत्रों में देश से भी आगे निकल गया है। देश की सबसे मजबूत और सक्रिय ग्राम पंचायत, स्वयं-सहायता समूह और सहकारी संस्थाएं केरल में हैं। इनमें यूएलसीएसएस नामक एक सहकारी निर्माण कंपनी भी शामिल है, जहां 18,000 मजदूर बिना किसी मालिक के काम करते हैं। केरल में प्रवासी मजदूरों और निराश्रित परिवारों के लिए प्रगतिशील नीतियां भी हैं। 2018 की भयानक बाढ़ और कोविड संकट में भी केरल ने सामाजिक एकजुटता की मिसाल पेश की थी।

पिछले महीने केरल जाने पर मैंने एक और गुण देखा- जिम्मेदार नागरिकता की भावना। सुविधाघरों समेत सार्वजनिक जगहें बहुत साफ-सुथरी थीं।

गाड़ियां जेब्रा क्रॉसिंग पर रुकती हैं। लोग लाइन में खड़े होते हैं। कूड़ेदान का सही उपयोग होता है। और यह सब बिना किसी जोर-जबरदस्ती के होता है, क्योंकि समाज में सार्वजनिक जिम्मेदारी की भावना विकसित हो चुकी है। मेरे कहने का मतलब यह नहीं है कि केरल हर तरह से आदर्श है।वहां भी कई समस्याएं हैं, जैसे आत्महत्या की ऊंची दर और शिक्षित बेरोजगारी। लेकिन जब भारत 2047 तक विकसित बनने की कोशिश कर रहा है, तो उसे केरल से सीख लेनी चाहिए।(ज्यां द्रेज)

प्रकृति को छेड़ेंगे तो वह अपना विपरीत ही आपको सौंपेगी

देर रात की पार्टियां अब महंगी पड़ रही हैं। इनमें नशे का खेल चल रहा है। मौज-मस्ती की आड़ में आनंद अनैतिक होता जा रहा है। नई पीढ़ी के बच्चे, जो रात की पार्टियां करते हैं, उनमें से कई के तो माता-पिता को मालूम भी नहीं कि देर रात ये कहां हैं। कुछ घरों में इन बच्चों के माता-पिता खुद ऐसी पार्टी कर रहे हैं। इस समय मिडिल-एज के माता-पिता के बच्चे जवान हो गए। वो अपने चरित्र में गम्भीरता नहीं ला पा रहे हैं। वो अभी भी अपने को उसी उम्र में समझ रहे हैं और उसमें आकर उनके बच्चे जुड़ गए। इसलिए समाज का दृश्य बड़ा विचित्र हो गया। मनोवैज्ञानिक चेतावनी दे रहे हैं कि किशोर होने की उम्र 11 साल हो गई, जो पहले लगभग 15-16 साल थी। बच्चे उम्र से पहले जवान हो रहे हैं। अपोजिट जेंडर के प्रति उत्सुकता होना स्वाभाविक है। लेकिन अब नई बात निकलकर आई कि 11 वर्ष के किशोर भी जेंडर बदलने की तमन्ना रख रहे हैं। यह भी कुदरत से छेड़छाड़ है और प्रकृति को जब भी छेड़ा जाएगा, वह अपना विपरीत आपको सौंपेगी। पं. विजयशंकर मेहता।

महिला आरक्षण के मायने तभी जब सभी को समान मौके मिलें

महिला आरक्षण को विधायिकाओं में महिलाओं के अल्प-प्रतिनिधित्व को दूर करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया जा रहा है। लेकिन उत्सव के बीच एक असहज करने वाली चुप्पी भी मौजूद है और यह चुप्पी इस मूल प्रश्न पर है कि ये महिलाएं कौन होंगी, और उससे भी अधिक महत्वपूर्ण, कौन नहीं होंगी? भारतीय राज्य ने ऐतिहासिक रूप से असमानता की बहुस्तरीय प्रकृति को स्वीकारा है। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण का संवैधानिक प्रावधान किसी दया या कृपा का परिणाम नहीं था, बल्कि उस गहरी संरचनात्मक वंचना की स्वीकृति था, जिसने सदियों तक इन समुदायों को सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और राजनीतिक रूप से हाशिए पर रखा। लेकिन जब बात महिलाओं के आरक्षण की आती है, तो एक खतरनाक सरलीकरण सामने आता है, मानो महिलाएं एक समान श्रेणी हों, जिनके अनुभव और अवसर एक जैसे हों। वास्तविकता यह है कि समाज में सत्ता के ढांचे- पितृसत्ता, जाति और वर्ग- अलग-अलग नहीं चलते, बल्कि एक-दूसरे में गुंथे हुए हैं। एक दलित महिला का जीवन-अनुभव एक सवर्ण महिला से भिन्न होता है। एक आदिवासी महिला के सामने आने वाली चुनौतियां लैंगिक आधार पर ही नहीं समझी जा सकतीं। इन अंतरों को नजरअंदाज करना, विधायी सुविधा के नाम पर सामाजिक यथार्थ को मिटा देना है।यही कारण है कि कोटा के भीतर कोटा की मांग महज तकनीकी सुधार नहीं, बल्कि प्रतिनिधित्व की अवधारणा को सार्थक बनाने का प्रयास है। इसके अभाव में यह लगभग तय है कि आरक्षण का लाभ मुख्यतः उन महिलाओं तक सीमित रह जाएगा, जो पहले ही अपेक्षाकृत सशक्त हैं- सवर्ण, शहरी और राजनीतिक रूप से जुड़ी हुई। हाशिये के समुदायों की महिलाओं के लिए राजनीति में प्रवेश की बाधाएं- आर्थिक संसाधनों की कमी, सामाजिक नेटवर्क का अभाव, दलगत समर्थन की सीमाएं, गहरे पैठे जातिगत पूर्वग्रह- सिर्फ आरक्षण की घोषणा से समाप्त नहीं होतीं। बल्कि प्रतिस्पर्धा के इस नए परिदृश्य में वे और अधिक तीव्र हो सकती हैं। इस परिदृश्य में एक गंभीर आशंका उभरती है- महिला सशक्तीकरण का नारा कहीं अभिजात्य वर्ग की शक्ति को और सुदृढ़ करने का माध्यम न बन जाए। यह आशंका काल्पनिक नहीं है। स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए आरक्षण के अनुभव इस दिशा में महत्वपूर्ण संकेत देते हैं। पंचायतों में महिलाओं की भागीदारी निश्चित रूप से बढ़ी, लेकिन अनेक अध्ययनों ने यह भी दिखाया कि इसका लाभ अकसर प्रभावशाली सामाजिक समूहों की महिलाओं तक ही सीमित रहा। वंचित समुदायों की महिलाएं या तो इससे बाहर रहीं या सत्ता के स्थापित ढांचों के भीतर प्रतीकात्मक उपस्थिति तक सीमित हो गईं। प्रतिनिधित्व इस बात का प्रश्न है कि कौन बोल रहा है, किसके अनुभवों को स्थान मिल रहा है और किन मुद्दों को प्राथमिकता दी जा रही है। किसी महिला का निर्वाचित पद पर होना अपने आप में सभी महिलाओं के हितों का प्रतिनिधित्व नहीं करता। प्रतिनिधित्व तभी सम्भव है जब विविध सामाजिक पृष्ठभूमियों की महिलाएं निर्णय-प्रक्रिया का हिस्सा बनें। यही वह बिंदु है जहां कोटा के भीतर कोटा की आवश्यकता स्पष्ट हो जाती है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग की महिलाओं के लिए आनुपातिक आरक्षण सुनिश्चित करना किसी प्रकार का विभाजन नहीं, बल्कि लोकतंत्र को अधिक समावेशी और न्यायसंगत बनाने का प्रयास है। यह इस मूल सत्य की स्वीकृति है कि समानता का अर्थ केवल अवसरों की औपचारिक उपलब्धता नहीं, बल्कि उन बाधाओं को पहचानना और दूर करना भी है, जो विभिन्न समूहों को अलग-अलग तरीकों से प्रभावित करती हैं। इसके विरोध में तर्क दिया जाता है कि इससे व्यवस्था अत्यधिक जटिल हो जाएगी। लेकिन जटिलता को अन्याय का औचित्य नहीं बनाया जा सकता। भारतीय संविधान ने दिखाया है कि वह सामाजिक वास्तविकताओं की जटिलताओं को समाहित करने में सक्षम है। कोटा के भीतर कोटा केवल सीटों का पुनर्वितरण नहीं करता, बल्कि शक्ति के संतुलन को बदलने का प्रयास करता है। साथ ही, यह महिलाओं की श्रेणी के भीतर भी मौजूद असमानताओं को भी उजागर करता है। कहीं आरक्षण का लाभ मुख्यतः उन महिलाओं तक ही सीमित नहीं रह जाए, जो पहले ही अपेक्षाकृत सशक्त हैं- सवर्ण, शहरी और राजनीतिक रूप से जुड़ी हुई। तब हाशिये के समुदायों की महिलाओं का सशक्तीकरण कैसे होगा? (ये लेखक के अपने विचार हैं प्रो. मनोज कुमार झा)

भाजपा के लिए बंगाल चुनाव क्यों बहुत मायने रखता है?

असम, केरल, तमिलनाडु, बंगाल और पुडुचेरी के चुनाव भाजपा के दबदबे वाले क्षेत्रों में नहीं हो रहे हैं। ये सच है कि पूर्वोत्तर में- असम सहित- भाजपा का अब काफी नियंत्रण है, लेकिन बंगाल जीते बिना कोई भी पार्टी यह नहीं कह सकती कि उसका पूर्वी भारत पर दबदबा हो गया है। जैसे महाराष्ट्र में प्रमुख स्थिति हासिल किए बिना हम यह नहीं कह सकते थे कि पश्चिम भारत में भाजपा का पूरा प्रभाव है, जबकि गुजरात में पिछले दो दशकों से उसकी मजबूत पकड़ रही है। ऐसा क्यों है? क्योंकि जनसंख्या के हिसाब से महाराष्ट्र और बंगाल हमारे दूसरे और तीसरे सबसे बड़े राज्य हैं- बिहार के विभाजन के बाद दोनों अब उससे आगे हो गए हैं। लेकिन ब्रिटिश राज के समय से ही इन राज्यों का एक ऐतिहासिक महत्व भी रहा है। दिल्ली के विपरीत- मुम्बई और कोलकाता- जो महाराष्ट्र व बंगाल की राजधानियां हैं- ब्रिटिश राज से पहले मछुआरों की बस्तियां हुआ करते थे। ब्रिटिश राज के बढ़ने के साथ ये भारत के सबसे महत्वपूर्ण शहरों में बदल गए- राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक रूप से। इन्होंने आधुनिकता के आगमन का नेतृत्व किया, जिसमें उम्मीदें थीं और चुनौतियां भी। 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को बंगाल में 42 में से केवल 2 सीटें मिली थीं और 2016 के विधानसभा चुनाव में 294 में से 3 सीटें मिलीं। लेकिन उसके बाद भारी प्रचार और बाकी पार्टियों से बहुत ज्यादा खर्च करने के बाद उसने मजबूत आधार बना लिया और वह राज्य में टीएमसी के बाद दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गई। उसने माकपा- जिसने 34 साल (1977-2011) तक बंगाल पर शासन किया, और कांग्रेस- जिसकी राज्य में अच्छी मौजूदगी थी- दोनों को पीछे छोड़ दिया। भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनाव में 18 सीटें और 2021 के विधानसभा चुनाव में 77 सीटें जीतीं और 38-40% वोट हासिल किए। भाजपा ने बंगाल पर इतना ज्यादा ध्यान क्यों दिया? हिंदू राष्ट्रवादी विचारधारा में सावरकर को सबसे बड़ा वैचारिक नेता माना जाता है, लेकिन बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को पहला हिंदू राष्ट्रवादी माना जाता है और वंदे मातरम् को पहला हिंदू राष्ट्रवादी गीत माना जाता है।बंकिम का साहित्यिक काम 1880 के दशक से जुड़ा है, जो सावरकर के हिंदू राष्ट्रवादी लेखन से लगभग चार दशक पहले का है। इसके अलावा, श्यामा प्रसाद मुखर्जी भारतीय जनसंघ के पहले अध्यक्ष थे, जो भाजपा की पूर्व पार्टी थी। भाजपा की विचारधारा के अनुसार, हिंदू राष्ट्रवाद की पहली शुरुआत बंगाल में हुई थी। लेकिन एक अहम मौजूदा कारण भी है। यह बंगाल में मुस्लिम वोटरों की संख्या से जुड़ा है। इस राज्य में भारत में मुसलमानों की दूसरी सबसे बड़ी आबादी है। राज्य की कुल आबादी में से लगभग 30% मुस्लिम हैं, जो 34% वाले असम के बाद दूसरे स्थान पर हैं। (जब जम्मू और कश्मीर एक राज्य था- जहां मुसलमान बहुमत में थे- तब बंगाल तीसरे स्थान पर था)। मुस्लिम वोटरों की संख्या बंगाल को बहुत ज्यादा महत्वपूर्ण बनाती है। अगर भाजपा बंगाल जीतती है, तो यह तभी संभव होगा जब हिंदू समुदाय काफी हद तक मुस्लिम विरोधी मंच पर एकजुट हो जाए। हिंदू एकता का विचार उसके लिए बहुत महत्वपूर्ण है, इसलिए बंगाल भाजपा के वैचारिक प्रोजेक्ट के लिए सबसे बड़े पुरस्कारों में से एक है। यही एसआईआर प्रक्रिया के महत्व का भी कारण है। अगर इसके जरिए मुस्लिम वोटरों की संख्या काफी कम हो जाती है, तो बंगाल में भाजपा के जीतने की सम्भावना बढ़ जाएगी। बंगाल का महत्व सिर्फ भारतीय राजनीति तक सीमित नहीं है। दुनिया भर में लोकतंत्र पर नजर रखने वाले विद्वानों और पर्यवेक्षकों के लिए भी यह रुचि का विषय है, जो खास तौर पर एसआईआर जैसे कदमों की निगरानी कर रहे हैं, जो इस समय बंगाल में पूरी तरह लागू है (और दूसरे राज्यों में भी फैल रहा है)। दुनिया भर के राजनीतिक अनुभवों पर आधारित लोकतंत्र के कमजोर होने (डेमोक्रेटिक बैकस्लाइडिंग) के सिद्धांत के अनुसार, आज के समय में लोकतंत्र को कमजोर करने की शुरुआत गैर-चुनावी अंकुशों से होती है, जैसे अभिव्यक्ति की आजादी, गैर-सरकारी सिविल सोसायटी की सक्रियता और अल्पसंख्यकों के अधिकार। इसके बाद आम तौर पर अगला निशाना चुनाव प्रक्रिया होती है। एसआईआर का असर कम आय और कम पढ़े-लिखे कई समुदायों पर पड़ सकता है। आम तौर पर उनके पास जरूरी दस्तावेज नहीं होते। जब बहुसंख्यक विचार वाली पार्टियां वोटर पंजीकरण से जुड़े ऐसे कदम उठाती हैं, तो इसका असर गरीब, अल्पसंख्यक समुदायों पर बहुत पड़ता है। अगर बंगाल में एसआईआर से मुस्लिम वोटरों की संख्या काफी घट जाती है और भाजपा चुनाव जीत जाती है, तो यह सिर्फ व्यावहारिक राजनीति का मामला नहीं होगा। यह दुनिया में लोकतंत्र पर होने वाली बहसों का हिस्सा बनेगा। (ये लेखक के अपने विचार हैं आशुतोष वार्ष्णेय)

अमित शाह ने बताया- कैसे लोकसभा की सीटें 850 होंगी,दक्षिण के 5 राज्यों की सीटें 129 से 195 हो जाएंगी

सबसे ज्यादा फायदा यूपी, महाराष्ट्र को

नयी दिल्ली। इस तरह प्रस्तावित 50फीसदी सीट वृद्धि से दक्षिण भारत के हर राज्य को

अधिक सीटें मिलेंगी। तमिलनाडु को 20, केरल को 10, तेलंगाना को 9 और आंध्र प्रदेश को 13 अतिरिक्त सीटें मिलेंगी। उत्तर प्रदेश के बाद लोकसभा में दूसरे सबसे अधिक सांसदों वाला राज्य महाराष्ट्र है, जिसे 24 अतिरिक्त सीटें मिलेंगी। शाह बोले- परिसीमन कानून में कोई बदलाव नहीं-शाह ने कहा कि परिसीमन आयोग का कानून पूरी तरह मौजूदा कानून पर है। इसमें कोई बदलाव नहीं है। इसका चल रहे चुनावों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। परिसीमन विधेयक के अनुसारः-कुल सीटों की संख्या बढ़ाई जाएगी। निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएं 2011 की जनगणना के आधार पर फिर से तय की जाएंगी। इन विधेयकों के जरिए संविधान के 7 अनुच्छेदों- 55, 81, 82, 170, 330, 332 और 334 (ए) में संशोधन किया जाएगा। संसद में 4 विपक्षी नेताओं के बयान-प्रियंका गांधीः 543 में से महिलाओं को 33फीसदी आरक्षण क्यों नहीं दे रहे। अगर पद खोने का डर नहीं तो कुछ लोग इसमें अपना पद खो दें, ताकि महिलाएं और ओबीसी वर्ग आ सके। ये आज ही कर दें, शुभ काम हो जाएगा काला टीका भी काम आ जाएगा।असदुद्दीन ओवैसीः जिन राज्यों की आबादी ज्यादा है, उन्हें ज्यादा सीटें मिलेंगी और कम आबादी वाले राज्यों की सीटें घटेंगी। दक्षिणी राज्य देश की जीडीपी का करीब 30फीसदी हिस्सा देते हैं और कुल टैक्स राजस्व का 21फीसदी वहीं से आता है, लेकिन उन्हें उनके अच्छे शासन के लिए 'सजा' दी जा रही है। अखिलेश यादवः ये लोग पिछड़े वर्ग की 33फीसदी महिलाओं को उनका हक नहीं देना चाहते हैं। जब परिसीमन की बारी आई तो इन लोगों ने पूरी रणनीति बनाई, कि कैसे क्षेत्र बनाए जाएं कि इसका फायदा इन लोगों को ही मिले। टी आर बालू (डीएमके सांसद)ः तीनों परिसीमन संशोधन बिल ही सैंडविच बिल हैं, हम इनका विरोध करते हैं। हमने काले झंडे दिखाए।

टीएमसी विधायक के ठिकानों पर आयकर विभाग की छापेमारी,ममती बोलीं- चाहे कितनी भी साजिश रच लें, भाजपा हारेगी

नयी दिल्ली। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में शुक्रवार को आयकर विभाग ने टीएमसी

विधायक देबाशीष कुमार के ठिकानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने सुबह करीब 6 बजे मणोहरपुकुर रोड स्थित उनके घर और ऑफिस पर तलाशी शुरू की। देबाशीष कुमार दक्षिण कोलकाता की राशबेहारी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कूच बिहार की सभा में कहा- हमारे पार्टी कार्यालयों, कैंडिडेट के घरों तक पर छापेमारी हो रही है। लेकिन, चाहे कितनी भी साजिश रच लें, भाजपा को हार का सामना करना ही होगा।1. ममता बनर्जी आज कूच बिहार में रैली करेंगी। इसके साथ भी दुर्गापुर और दमदम में रोड शो भी करेंगी। 2. अभिषेक बनर्जी की आज तीन रैलियां हैं। वे सबांग, हिंगलगंज और रैदिघी में रैली करेंगे। 3. चुनाव आयोग ने गुरुवार को तमिलनाडु की सभी विधानसभा सीटों और पश्चिम बंगाल के पहले चरण के लिए ईवीएम और वीवीपैट की कमीशनिंग प्रक्रिया शुरू कर दी है। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कूच बिहार में कहा कि पश्चिम बंगाल में इस बार बीजेपी का सरकार लाना है। मैंने असम में बांग्लादेशी मुसलमान आने बंद करा दिया है। असम में पूरा ताला लगा चुका हूं। एक बांग्लादेशी भी आता है तो मैं लात मारकर रात में ही वापस भेज देता हूं। उन्होंने कहा कि मैं असम से मैं भगा देता हूं तो ममता जी पश्चिम बंगाल में उनको दुल्हन की तरह बुला लेती हैं। इससे पश्चिम बंगाल और असम में धीरे-धीरे हिंदू कम हो जाएगा। पश्चिम बंगाल के दिनाजपुर में असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा- पवन खेड़ा को कानून के सामने सरेंडर कर देना चाहिए और वे जितना कानून से भागेंगे, उनकी मुश्किलें उतनी ही बढ़ेंगी। इसलिए मैं उनसे कहूंगा कि वे गुवाहाटी में आत्मसमर्पण कर दें।पश्चिम बंगाल विधानसभा में निवर्तमान सांसद सुवेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस अपने कार्यकर्ताओं को मतदान केंद्रों तक पहुंच बनाने और चुनाव प्रक्रिया में हेरफेर करने के लिए फर्जी प्रेस पहचान पत्र जारी कर रही है। यह आरोप टीएमसी द्वारा भाजपा पर चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करने का आरोप लगाने के एक दिन बाद आया है। टीएमसी ने आरोप लगाया था कि भाजपा ने 'मातृशक्ति भरोसा कार्ड' नामक एक योजना शुरू की है, जिसमें महिलाओं को वित्तीय सहायता देने का वादा किया गया है और मतदान से पहले अंतिम दिनों में विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में फॉर्म वितरित किए गए हैं।

अमेरिका में परमाणु-स्पेस पर रिसर्च करने वाले 5 वैज्ञानिक गायब,5 की रहस्यमय हालत में मौत

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका में न्यूक्लियर और स्पेस रिसर्च से जुड़े वैज्ञानिकों की मौत और गुमशुदगी के मामलों पर अब व्हाइट हाउस सवालों के घेरे में है। 2023 से अब तक ऐसे 10 मामले सामने आए हैं, जिनमें वैज्ञानिक या अधिकारी या तो लापता हो गए या संदिग्ध हालात में मरे। बुधवार को व्हाइट हाउस ब्रीफिंग में पहली बार प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट से इन घटनाओं पर सवाल पूछा गया। जवाब में उन्होंने कहा, 'मैंने अभी संबंधित एजेंसियों से इस बारे में बात नहीं की है। मैं ऐसा करूंगी और आपको जवाब दूंगी।' उन्होंने आगे कहा, 'अगर यह सही है, तो यह निश्चित तौर पर ऐसी बात है जिसे सरकार जांच के लायक मानेगा।' उनके इस जवाब के बाद लोगों में नाराजगी देखने को मिली। कई लोगों ने आरोप लगाया कि सरकारी एजेंसियां इस पैटर्न को गंभीरता से नहीं ले रही हैं या फिर इसे छुपाने की कोशिश कर रही हैं। कई वैज्ञानिक घरों से निकले, फिर नहीं लौटे वैज्ञानिकों के लापता या मौत के सभी मामले अमेरिका की हाई-सिक्योरिटी रिसर्च संस्थाओं से जुड़े बताए जा रहे हैं। इनमें लॉस एलामोस नेशनल लैब, नासा का जेट प्रोपल्शन लैब और एमआईटी का प्लाज्मा साइंस एंड फ्यूजन सेंटर शामिल हैं। ये संस्थान न्यूक्लियर हथियार, एडवांस्ड प्रोपल्शन और नई ऊर्जा तकनीकों पर काम करते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक कई लापता वैज्ञानिक अपने घरों से अचानक पैदल निकल गए। उन्होंने फोन, वॉलेट और चाबियां तक पीछे छोड़ दीं। यही पैटर्न कई मामलों में देखा गया है, जिससे संदेह और बढ़ा है। रिटायर्ड एयर फोर्स जनरल विलियम नील मैककैसलैंड का मामला हाल में बहुत चर्चा में रहा। वे 27 फरवरी को अपने न्यू मैक्सिको स्थित घर से गायब हो गए थे। बताया गया कि वे अपने साथ सिर्फ पिस्टल लेकर निकले थे और उनकी पत्नी ने 911 पर कहा कि वे खुद को छिपाने की कोशिश कर रहे थे। लापत-मृतक वैज्ञानिकों-रिसर्चर्स और एडमिन की पूरी लिस्ट- मोनिका रेजा-लापता- मोनिका अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के जेट प्रोपल्शन लैब से जुड़े एक प्रोजेक्ट में काम कर रही थीं। वहां वह नए मटेरियल और धातुओं पर काम देखने वाली एक टीम की चीफ थी। वह एक खास धातु पर काम कर रही थीं, जिसे मोंडालोय कहा जाता है। यह मटेरियल खास तौर पर रॉकेट इंजन के लिए बताया जाता है। यह भविष्य की स्पेस टेक्नोलॉजी के लिए काफी अहम हो सकता था। मोनिका को आखिरी बार 22 जून की सुबह माउंट वाटरमैन इलाके में दो दोस्तों के साथ हाइकिंग करते हुए देखा गया था। उनके बारे में अब तक कोई सुराग नहीं मिला है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मोनिका का प्रोफेशनल कनेक्शन रिटायर्ड एयर फोर्स जनरल विलियम 'नील' मैककैसलैंड से था। वह 8 महीने बाद गायब हो गए। इसके बाद शक और बढ़ गया। विलियम मैककैसलैंड- लापता- विलियम अमेरिका के रिटायर्ड एयर फोर्स जनरल हैं। वह पहले एयर फोर्स रिसर्च लैबोरेट्री के कमांडर रह चुके हैं। वहां वे अरबों डॉलर के साइंस और टेक्नोलॉजी प्रोग्राम संभालते थे। यह लैब अमेरिकी सेना की सबसे अहम रिसर्च यूनिट्स में से एक है, जहां नई टेक्नोलॉजी, हथियार सिस्टम, स्पेस से जुड़ी टेक्नोलॉजी और एडवांस साइंस पर काम होता है। जिस प्रोजेक्ट में मोनिका रेजा काम कर रही थीं, उससे जुड़ी फंडिंग की देखरेख मैककैसलैंड ने की थी। मैककैसलैंड 27 फरवरी 2026 की सुबह न्यू मैक्सिको में अपने घर के पास आखिरी बार देखे गए थे। स्टीवन गार्सिया- लापता- गार्सिया कंसास सरकारी ठेकेदार थे और सिटी नेशनल सिक्योरिटी कैंपस से जुड़े थे, जहां परमाणु हथियारों के गैर-न्यूक्लियर पार्ट बनाए जाते हैं। यहां काम करने वाले लोग सुरक्षा के लिहाज से काफी अहम माने जाते हैं। गार्सिया 28 अगस्त 2025 को न्यू मैक्सिको के अल्बुकर्क शहर में अपने घर से अचानक गायब हो गए। सबसे अजीब बात यह थी कि वह घर से पैदल निकले। अपना फोन, वॉलेट, चाबियां सब पीछे छोड़ गए। उनके पास सिर्फ एक पिस्टल थी। इसके बाद से उनका कोई पता नहीं चला। पुलिस को भी अब तक कोई बड़ा सुराग नहीं मिला है। उनका मामला इसलिए ज्यादा चर्चा में है, क्योंकि वह संवेदनशील परमाणु काम से जुड़े थे और उनका गायब होने का तरीका बाकी कुछ मामलों से मिलता-जुलता है। एंथनी चावेज- लापता- एंथनी चावेज का लॉस आलामोस नेशनल लैब से जुड़े। यह एक हाई सिक्योरिटी परमाणु लैब है, जिसकी स्थापना द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान मैनहटन प्रोजेक्ट के तहत हुई थी और तब से यह परमाणु हथियारों से जुड़े रिसर्च के लिए जानी जाती है। हालांकि एंथनी का सटीक पद क्या था, यह साफ नहीं है, लेकिन इस तरह की जगह से जुड़े होने की वजह से यह मामला और ज्यादा चर्चा में आया। 78 साल के चावेज एक दिन टहलने निकले और उसके बाद अचानक गायब हो गए। उन्होंने घर से निकलते समय अपनी कार ड्राइववे में लॉक करके छोड़ी थी और उनका वॉलेट, चाबियां और बाकी निजी सामान भी घर के अंदर ही मिला। यानी वह बिना जरूरी चीजों के ही बाहर गए थे। उनके गायब होने की सटीक तारीख पता नहीं है। उनके परिवार और दोस्तों का कहना है कि उनका इस तरह अचानक गायब होना उनके स्वभाव के बिल्कुल खिलाफ है। यानी वे बिना बताए कहीं चले जाने वाले व्यक्ति नहीं थे।मेलिसा कैसियास-लापता- मेलिसा कैसियास भी एंथनी चावेज की तरह लॉस आलामोस नेशनल लैब से जुड़ी थीं। वह वहां एडमिनिस्ट्रेटिव असिस्टेंट थीं, लेकिन माना जाता है कि उनके पास अहम जानकारी तक पहुंच हो सकती थी। 54 साल की मेलिसा 2025 में न्यू मैक्सिको में अपने घर से अचानक गायब हो गईं। 26 जून को कैसियास अपने पति मार्क कैसियास के साथ लेबोरेटरी गईं। वहां दोनों साथ काम करते थे। हालांकि वह खुद वापस घर लौट आईं, क्योंकि वह अपना वर्क बैज भूल गई थीं। उसने घर से काम करने का फैसला किया- कैसियास वापस घर लौटीं और फिर पैदल ही कही निकल गईं। उन्होंने अपना फोन, वॉलेट, चाबियां और कार सब घर पर ही छोड़ दिया था। उनके फोन को फैक्ट्री सेटिंग पर रीसेट कर दिया गया था, यानी उसमें मौजूद डेटा पूरी तरह मिटा दिया गया था। इसके बाद से उनका कोई पता नहीं चला है और उनकी गुमशुदगी अब तक रहस्य बनी हुई है। कार्ल ग्रिलमेयर- हत्या कार्ल ग्रिलमेयर एक एस्ट्रोफिजिसिस्ट (खगोल भौतिक वैज्ञानिक) थे, यानी उनका काम अंतरिक्ष, तारों और आकाशगंगाओं से जुड़ी चीजों पर रिसर्च करना था। वह अमेरिका की स्पेस एजेंसी नासा से जुड़े रहे थे। उनका काम नासा के [illegible] और [illegible] एल्निब्दे जैसे प्रोजेक्ट्स से जुड़ा था। ये प्रोजेक्ट्स अंतरिक्ष में घूम रहे एस्टेरॉयड (पिंडों) और दूसरी चीजों पर नजर रखते हैं। ऐसे सिस्टम का इस्तेमाल सेना भी सैटेलाइट और मिसाइल ट्रैक करने के लिए करती है, इसलिए उनका काम संवेदनशील माना जाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनकी अपने घर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। कुछ लोगों ने उनकी मौत को भी बाकी मामलों से जोड़कर देखा है, लेकिन अभी तक कोई पक्का सबूत नहीं मिला। यह साबित नहीं हुआ कि उनकी हत्या किसी बड़ी साजिश का हिस्सा थी। साथ ही, उनकी हत्या की सटीक तारीख भी सार्वजनिक तौर पर साफ नहीं बताई गई है। माइकल डेविड हिक्स- मौत- माइकल डेविड हिक्स नासा से जुड़े एक वैज्ञानिक थे। उनका काम अंतरिक्ष से जुड़े मिशनों पर था और वह खास तौर पर डार्ट प्रोजेक्ट से जुड़े थे। यह वही मिशन था जिसमें यह टेस्ट किया गया था कि अगर कोई खतरनाक एस्टेरॉयड पृथ्वी की तरफ आए, तो क्या इंसान उसे रास्ते से हटा सकते हैं। 59 साल की उम्र में अचानक उनकी मौत हो गई। उनकी मौत की वजह साफ तौर पर सार्वजनिक नहीं की गई। फ्रैंक मैवाल्ड- मौत-फ्रैंक मैवाल्ड नासा के से जुड़े एक सीनियर साइंटिस्ट थे। वह अंतरिक्ष से जुड़े रिसर्च प्रोजेक्ट्स पर काम करते थे और खास तौर पर ऐसी तकनीक पर काम कर रहे थे जिससे भविष्य में दूसरे ग्रहों पर जीवन के संकेत खोजे जा सकें। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने एक ऐसी अहम खोज पर काम किया था जो स्पेस मिशनों के लिए काफी बड़ी मानी जा रही थी। लेकिन इस उपलब्धि के करीब 13 महीने बाद, 2024 में उनकी मौत हो गई। उनकी उम्र करीब 61 साल थी और उनकी मौत को अचानक बताया गया।इसके अलावा दो वैज्ञानिकों की मौत भी संदिग्ध मानी जा रही है। नूनो लुरेइरो- हत्या-नूनो लुरेइरो एक न्यूक्लियर फिजिसिस्ट (परमाणु वैज्ञानिक) थे और उनका काम खास तौर पर न्यूक्लियर फ्यूजन पर केंद्रित था। फ्यूजन वह तकनीक है जिससे भविष्य में बहुत ज्यादा ऊर्जा पैदा की जा सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 47 साल के लुरेइरो को उनके घर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना किस तारीख को हुई, इसकी भी डिटेल नहीं है। पुलिस के मुताबिक उनकी हत्या क्लाउडियो मैनुअल नेवेस वालेंटे नाम के शख्स ने किया, जो ब्राउन यूनिवर्सिटी में हुई सामूहिक गोलीबारी का संदिग्ध था। बाद में उसने खुदकुशी कर ली। कुछ स्वतंत्र जांचकर्ताओं का मानना है कि उनका काम इतना महत्वपूर्ण था कि वह किसी साजिश का निशाना बन सकते थे, खासकर इसलिए क्योंकि न्यूक्लियर फ्यूजन ऊर्जा सेक्टर को पूरी तरह बदल सकता है। लेकिन यह सिर्फ शक और अटकलें हैं। अब तक किसी आधिकारिक जांच में यह साबित नहीं हुआ है कि उनकी हत्या किसी बड़ी साजिश का हिस्सा थी या इसका संबंध बाकी मामलों से है। जेसन थॉमस- मौत-जेसन थॉमस स्विट्जरलैंड की फार्मा कंपनी नोवार्टिस में वैज्ञानिक थे। 13 दिसंबर 2025 को वे अचानक लापता हो गए थे। इसके बाद उनकी पत्नी ने 13 दिसंबर की सुबह पुलिस में उनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने उन्हें ढूंढने के लिए बड़े स्तर पर सर्च ऑपरेशन चलाया। इसमें नॉर्थईस्टर्न मैसाचुसेट्स लॉ एनफोर्समेंट काउंसिल की मदद ली गई, साथ ही डॉग स्क्वॉड और ड्रोन का भी इस्तेमाल किया गया। फिर 17 मार्च 2026 को मैसाचुसेट्स (अमेरिका) की एक झील में उनका शव मिला। यह घटना और भी रहस्यमय इसलिए लगती है क्योंकि वह लंबे समय तक गायब रहे और फिर इस हालत में मिले। हालांकि, स्थानीय पुलिस ने शुरुआती जांच में कहा कि उन्हें किसी साजिश या हत्या के सबूत नहीं मिले। यानी फिलहाल इसे आपराधिक मामला नहीं माना गया है।

पंजाबी महिला रेडियो होस्ट को कनाडा में सजा,रु83 करोड़ की ड्रग के साथ पकड़ी,खुलासा- गिरोह की भरोसेमंद पार्टनर थी

जालंधर। कनाडा में रहने वाली पंजाबी रेडियो होस्ट को नशा तस्करी के केस में ब्रिटिश कोलंबिया की कोर्ट ने साढ़े 5 साल की सजा सुनाई है। पुलिस ने 83 करोड़ रुपए की मेथामफेटामाइन ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया था। हालांकि कोर्ट में उन्होंने तस्करी में शामिल नहीं होने की दलील दी थी, लेकिन मोबाइल के टेक्स्ट मैसेज से खुलासा हुआ कि वह न केवल इस तस्करी में अपनी मर्जी से शामिल थीं, बल्कि वह तस्करी गिरोह की एक भरोसेमंद पार्टनर थीं। नशा तस्करी केस में दोषी पाई गईं सुखविंदर कौर संघा (47) जालंधर के नकोदर से संबंध रखती हैं। हालांकि उनका जन्म कनाडा के प्रिंस जॉर्ज में हुआ था। उन्होंने पिछले एक दशक में पंजाबी रेडियो जगत में अपनी पहचान बनाई थी। वह फ्रीलांसर रेडियो और टीवी होस्ट थी। देखते ही देखते वह पंजाबी समुदाय का बड़ा चेहरा बन गईं। उनके शो में अक्सर हाई-प्रोफाइल राजनेता, पुलिस अधिकारी और मशहूर हस्तियां शामिल होती थीं। पूरा मामला-रोके जाने पर कार भगाकर ले गई थीं- सुखविंदर संघा की गिरफ्तारी की कहानी किसी फिल्मी ड्रामे से कम नहीं है। अक्टूबर 2021 में, वह फ्लोरिडा नंबर प्लेट वाली एक कार में अमेरिका से कनाडा की सीमा में प्रवेश कर रही थीं। जब सरे स्थित सीमा चौकी पर कनाडा बॉर्डर सर्विसेज एजेंसी के अधिकारियों ने उन्हें सेकेंडरी चेकिंग के लिए रोका, तो वह सहयोग करने के बजाय वहां से तेज रफ्तार में कार भगा ले गईं थी। पीछा कर पुलिस ने दबोचा- इसके बाद पुलिस ने

उसका पीछा किया और उन्हें सरे की 16वीं एवेन्यू पर धर दबोचा। कार की तलाशी लेने पर अधिकारियों के होश उड़ गए, क्योंकि उसमें 4 डफल बैग भरे हुए थे, जिनमें 108 किलोग्राम मेथामफेटामाइन ड्रग्स थी। बाजार में इस खेप की कीमत 83 करोड़ रुपए के बीच आंकी गई थी। कोर्ट में संघा ने बनाए कई तरह के बहाने- अदालती कार्रवाई के दौरान संघा ने खुद को बेकसूर बताते हुए दावा किया कि वह अपनी मौसी के अंतिम संस्कार में शामिल होने वाशिंगटन गई थी और वहां उन्हें डरा-धमका कर इस काम के लिए मजबूर किया गया। हालांकि, जस्टिस जॉन गिब-कार्सले ने उनके इन दावों को पूरी तरह खारिज कर दिया। मोबाइल मैसेज से पता चला खुद करती थी तस्करी- उनके मोबाइल के टेक्स्ट मैसेज से खुलासा हुआ कि वह न केवल इस तस्करी में अपनी मर्जी से शामिल थीं, बल्कि वह तस्करी गिरोह की एक भरोसेमंद पार्टनर थी और पहले भी ऐसी कई खेप पहुंचा चुकी थी। कोर्ट ने टिप्पणी की कि संघा की बातचीत का लहजा कहीं से भी डरे हुए व्यक्ति जैसा नहीं था। कोर्ट ने कहा- जेल में आत्मचिंतन करें-न्यू वेस्टमिंस्टर की कोर्ट ने 15 अप्रैल को सजा सुनाई थी। फैसला सुनाते हुए जज ने स्पष्ट किया कि नशीले पदार्थों का व्यापार केवल अपराध नहीं है, इसके समाज पर घातक परिणाम होते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि संघा जेल में बिताए जाने वाले समय का उपयोग आत्मचिंतन के लिए करेंगी। अपनी शोज में अपराध के खिलाफ आवाज उठाने वाली संघा का खुद ड्रग तस्करी जैसे संगीन अपराध में फंसना ब्रिटिश कोलंबिया के पंजाबी समुदाय के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। जानिए क्या है मेथामफेटामाइन ड्रग्स-मेथामफेटामाइन एक अत्यंत शक्तिशाली और नशीला सिंथेटिक उत्तेजक ड्रग है, जो सीधे शरीर के केंद्रीय तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है। यह आमतौर पर सफेद, गंधहीन और कड़वे स्वाद वाले पाउडर या कांच के टुकड़ों जैसे दिखने वाले 'क्रिस्टल' के रूप में पाया जाता है। इसके सेवन से मस्तिष्क में 'डोपामाइन' रसायन की भारी मात्रा निकलती है, जिससे व्यक्ति को अचानक ऊर्जा, अत्यधिक उत्साह और खुशी का अनुभव होता है। हालांकि, यह प्रभाव जितना तीव्र होता है, इसके दुष्परिणाम उतने ही घातक होते हैं; इसके निरंतर उपयोग से हृदय रोग, याददाश्त में कमी, हिंसक व्यवहार, मसूड़ों की गंभीर सड़न (मेथ माउथ) और मानसिक मतिभ्रम जैसी समस्याएं हो सकती हैं। यह ड्रग बहुत जल्दी लत लगा देता है, जो व्यक्ति के शारीरिक और सामाजिक जीवन को पूरी तरह बर्बाद कर सकता है।

इसरो ने रास्ता बदलकर मलबे से बचाया, स्पेस में 18 बार खतरे में आए भारतीय उपग्रह

बेंगलुरु। इसरो की 'इंडियन स्पेस सिचुएशनल अवेयरनेस रिपोर्ट-2025' के मुताबिक, पिछले साल भारत को अपने सैटेलाइट्स को सुरक्षित रखने के लिए बहुत सतर्कता बरतनी पड़ी। 2025 में इसरो के सैटेलाइट्स के लिए करीब डेढ़ लाख से ज्यादा अलर्ट जारी हुए। ये अलर्ट अमेरिकी स्पेस कमांड से मिले, जिनका विश्लेषण भारतीय वैज्ञानिकों ने अधिक सटीक ऑर्बिटल डेटा के साथ किया। ये आंकड़े साफ संकेत देते हैं कि लो-अर्थ ऑर्बिट अब खतरनाक रूप से भीड़भाड़ वाला हो चुका है। अंतरिक्ष में मलबे के टकराने के खतरों से बचने के लिए इसरो को 18 बार 'कोलोजन अवॉइडेंस मैन्यूवर' करना पड़ा। यह 14 बार लिओ सैटेलाइट्स और 4 बार जियो स्टेशनरी सैटेलाइट्स जिओ के लिए किया गया। इन मैन्यूवर्स में सैटेलाइट की गति और ऊंचाई में बदलाव कर संभावित टकराव को टाला जाता है। भविष्य के जोखिम को देखते हुए भी इसरो को 84 बार अपनी ऑर्बिट मैन्यूवर प्लानिंग बदलनी पड़ी। गहरे अंतरिक्ष में चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर के लिए 2 बार प्लान बदला गया, ताकि नासा के लूनर रिकॉनिसेंस ऑर्बिटर से टकराव से बचा जा सके। अकेले चंद्रयान-2 के लिए 2025 में 16 ऑर्बिट मैन्यूवर किए गए। इसरो ने 2025 में अपने सभी 5 लॉन्च के लिए लिफ्ट-ऑफ से पहले कोलोजन अवॉइडेंस एनालिसिस किया। एक मामले में एलवीएम3-एम6 मिशन की लॉन्चिंग को 41 सेकंड तक टालना पड़ा, ताकि मलबे से दूरी सुनिश्चित की जा सके।

लश्कर के को-फाउंडर आमिर हमजा पर फायरिंग,अस्पताल में भर्ती,पिछले साल भी अटैक हुआ था

लाहौर। पाकिस्तान के लाहौर में आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा

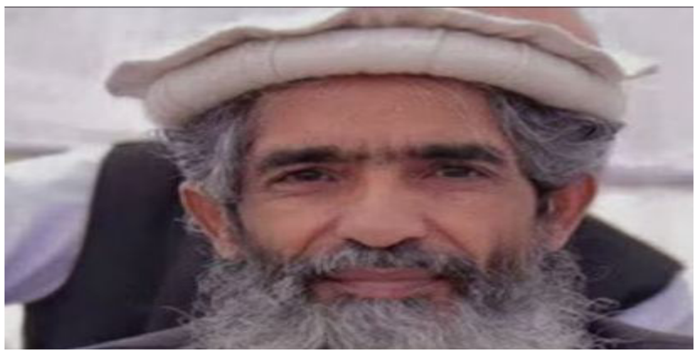

के संस्थापक सदस्य आमिर हमजा पर अज्ञात हमलावरों ने गोली चला दी। हमले के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमलावरों ने लाहौर में एक न्यूज चैनल के दफ्तर के बाहर उन पर फायरिंग की। हमला किसने और क्यों किया, यह अभी साफ नहीं हो पाया है। यह एक साल से भी कम समय में दूसरा मौका है, जब हमजा पर हमला हुआ है। इससे पहले पिछले साल मई में भी उनके घर के बाहर अज्ञात लोगों ने उन्हें गोली मारी थी। पिछले हमले के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया था। इसके बाद पाकिस्तानी अधिकारियों ने उनकी सुरक्षा बढ़ा दी थी, हालांकि उस घटना पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया था।आतंकी आमिर हमजा 1987 में लश्कर-ए-तैयबा की स्थापना में शामिल 17 लोगों में से एक है। वह आतंकी गतिविधियों, प्रचार, फंड जुटाने और लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े कई अखबारों और पत्रिकाओं का संपादन करता था। वह लश्कर की सेंट्रल एडवाइजरी कमेटी का सदस्य भी रहा है और अन्य आतंकी समूहों के साथ संबंध स्थापित करने में एक्टिव रहा है। हमजा ने हाफिज सईद के नेतृत्व में लश्कर-ए-तैयबा को दूसरे आतंकी समूहों से जोड़ने का काम किया। वह लश्कर से जुड़े एक चैरिटी संगठन का नेतृत्व करता था और लश्कर के यूनिवर्सिटी ट्रस्ट के बोर्ड में शामिल था, जिसे पहले हाफिज सईद संभालता था।हमजा ने सोवियत के खिलाफ जंग लड़ी थी-हमजा ने 1980 के दशक में अफगानिस्तान में सोवियत संघ के खिलाफ युद्ध में हिस्सा लिया था। इसके बाद वह हाफिज सईद और अन्य आतंकियों के साथ जुड़ गया। वह हाफिज सईद और अब्दुल रहमान मक्की का करीबी है। अमेरिका ने साल 2012 में हमजा को वैश्विक आतंकी घोषित किया था। हमजा को भारत के खिलाफ कई आतंकी हमलों से जोड़ा गया है। उसे जम्मू के सुंजवां में सेना के ब्रिगेड मुख्यालय पर हुए आतंकी हमले का मास्टरमाइंड बताया जाता है। 8 साल पहले संगठन से अलग हुआ था-कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक साल 2018 में फंड की कमी की समस्या की वजह से लश्कर-ए-तैयबा में फूट पड़ गई थी। इसके बाद आमिर हमजा ने खुद को संगठन से अलग कर लिया था। उसने अपना नया संगठन बनाया था। इसका नाम जैश-ए-मनक्फा रखा गया था।

अर्जुन रामपाल की 14 फिल्में फ्लॉप, किराया नहीं दे पाए,'धुरंधर' ने किस्मत बदली

मुंबई। एक समय बॉलीवुड में अपनी स्टाइल और शानदार स्क्रीन प्रेजेंस के लिए पहचाने जाने वाले अर्जुन रामपाल का करियर उतार-चढ़ाव भरा रहा। मॉडलिंग से फिल्मों में आए अर्जुन ने शुरुआत में पहचान बनाई, लेकिन लंबे समय तक उनकी

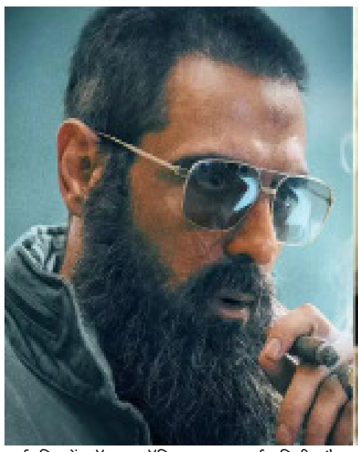

कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर असफल रहीं। इस दौर में उन्हें आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ा और घर का किराया भरना भी मुश्किल हो गया था। करीब 14 फिल्मों की असफलता ने उनके करियर पर सवाल खड़े किए, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। संघर्ष के दौर में उन्होंने खुद को तराशा और अभिनय पर काम जारी रखा। समय के साथ उन्हें 'रॉक ऑन' जैसी फिल्मों से सराहना मिली और अब 'धुरंधर' के जरिए उनकी किस्मत फिर चमकती नजर आ रही है।अर्जुन रामपाल का जन्म 26 नवंबर 1972 को जबलपुर, मध्य प्रदेश में हुआ था। उनका शुरुआती जीवन दिल्ली में बीता, जहां उन्होंने पढ़ाई पूरी की। उनके पिता अमरजीत रामपाल भारतीय सेना में अधिकारी थे, जबकि उनकी मां ग्वेन रामपाल स्कूल टीचर थीं। सेना के अनुशासन और मां के संस्कारों ने उनके व्यक्तित्व पर गहरा असर डाला। इसी वजह से उनमें अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना बचपन से ही मजबूत होती गई। अर्जुन रामपाल ने दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज से अर्थशास्त्र में स्नातक किया। पढ़ाई के दौरान उनकी रुचि फैशन और विज्ञापनों की ओर बढ़ी। शुरुआत में उनका इरादा मॉडलिंग में आने का नहीं था, लेकिन उनकी पर्सनालिटी और लुक्स ने उन्हें इस ओर खींच लिया। दरअसल एक पार्टी में उनकी मुलाकात पूर्व मिस इंडिया और मॉडल मेहर जेसिया से हुई। उन्होंने उन्हें मॉडलिंग इंडस्ट्री से परिचित कराया और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद उन्होंने बड़े फैशन डिजाइनर्स और ब्रांड्स के लिए रैंप वॉक शुरू किया और जल्द ही भारत के वे प्रमुख मेल मॉडल्स में शामिल हो गए। 1990 के दशक में वे कई विज्ञापनों और फैशन शोज का हिस्सा बने। इससे उनकी पहचान तेजी से बढ़ी और बॉलीवुड में आने से पहले ही उन्होंने मॉडलिंग में मजबूत नाम बना लिया। मॉडलिंग के दौरान उनकी स्क्रीन प्रेजेंस और विज्ञापनों की लोकप्रियता ने फिल्म इंडस्ट्री का ध्यान खींचा। इसी दौरान अशोक मेहता ने उन्हें फिल्म 'मोक्ष' (2001) में मनीषा कोइराला के अपोजिट कास्ट किया। दूसरी फिल्म 'प्यार इश्क और मोहब्बत' में निर्देशक राजीव राय ने उन्हें एक विज्ञापन में देखा और प्रभावित होकर कास्ट किया। हालांकि यह फिल्म 'मोक्ष' से पहले रिलीज हुई थी। इसमें अर्जुन रामपाल के साथ सुनील शेट्टी, आफताब शिवदासनी और कीर्ति रेड्डी नजर आए। घर का किराया भरने के भी पैसे नहीं थे- पॉप डायरीज को दिए इंटरव्यू में अर्जुन ने बताया था- मैं अपने करियर की शुरुआत में एक बेहद सफल मॉडल था। उसी दौरान अशोक मेहता मेरे पास फिल्म 'मोक्ष' लेकर आए, जिसमें मुझे शानदार अभिनेत्री मनीषा कोइराला के साथ काम करने का मौका मिला। उस समय वह अपने करियर के शिखर पर थीं। मुझे याद है, हम चंबल घाटी में एक सीन शूट कर रहे थे। जब मैंने शूटिंग का फुटेज देखा, तो खुद को देखकर मुझे खुद से ही नफरत हो गई। मैंने सोचा, 'हे भगवान, मैं कितना खराब दिख रहा हूं।' उसी वक्त मैंने फैसला किया कि अब मैं मॉडलिंग नहीं करूंगा। लेकिन मुझे बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि इस फिल्म को बनने में छह साल लग जाएंगे। उस दौरान मेरे पास आय का कोई स्रोत नहीं था। मैं मुंबई के अंधेरी स्थित सेवन बंगलों में रहता था। मेरे मकान मालिक सरदारजी बहुत अच्छे इंसान थे। हर महीने की पहली तारीख को वे आते, मुझे देखते और मैं उन्हें देखता। वे मुस्कुराकर पूछते, 'नहीं है ना?' और मैं सिर हिला देता। तब वे कहते, 'कोई बात नहीं, तू दे देगा।' जिंदगी में ऐसे अच्छे लोग और ऐसे पल बहुत मायने रखते हैं।' फेस ऑफ द ईयर पुरस्कार से सम्मानित किया गया-बहरहाल, 'मोक्ष' और 'प्यार इश्क और मोहब्बत' बॉक्स ऑफिस पर अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर सकीं, लेकिन आलोचकों ने अर्जुन रामपाल के अभिनय और स्क्रीन प्रेजेंस की सराहना की। इससे उन्हें इंडस्ट्री में संभावनाशील अभिनेता के रूप में देखा जाने लगा। 'मोक्ष' और 'प्यार इश्क और मोहब्बत' के बाद अर्जुन रामपाल ने 'दीवानापन', 'तहजीब', 'दिल है तुम्हारा', 'दिल का रिश्ता', 'असंभव', 'वादा', 'आंखें', 'हमको तुमसे प्यार है', 'यकीन', 'डरना जरूरी है', 'ऐलान' और 'एक अजनबी' जैसी फिल्मों में काम किया। लेकिन इन फिल्मों को कमर्शियल सफलता नहीं मिली। 'दिल है तुम्हारा' की कहानी और संगीत को पसंद किया गया था। अर्जुन रामपाल को अक्सर स्टाइलिश हीरो के तौर पर देखा गया, न कि गंभीर अभिनेता के रूप में। हालांकि उन्होंने हार नहीं मानी और अलग-अलग किरदारों में खुद को आजमाते रहे। शाहरुख खान की 'डॉन' (2006) में अर्जुन रामपाल ने अपने निगेटिव किरदार से दर्शकों और समीक्षकों का ध्यान खींचा। इस फिल्म में उन्होंने सख्त और प्रभावशाली किरदार निभाया, जिसने उनकी स्टाइलिश हीरो वाली छवि से अलग एक गंभीर अभिनेता की पहचान मजबूत की। इसके बाद 'ओम शांति ओम' (2007) में उनका विलेन अवतार और ज्यादा चर्चा में रहा। इस फिल्म में उनके किरदार की स्क्रीन प्रेजेंस, डायलॉग डिलीवरी और खलनायक वाली ऊर्जा को पसंद किया गया। इसी वजह से उन्हें सिर्फ मॉडल-टर्न-एक्टर नहीं, बल्कि ऐसे अभिनेता के तौर पर देखा जाने लगा जो निगेटिव भूमिकाओं में मजबूत असर छोड़ सकता है। उनके विलेन अवतार ने उन्हें स्टारडम दिलाया।

राम गोपाल ने धुरंधर 2 पर उठाया सवाल,कहा-फिल्म में दाऊद इब्राहिम का रोल सही नहीं दिखाया

मुंबई। फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा ने हाल ही में आदित्य धर की फिल्म धुरंधर 2 को लेकर कहा कि इसमें दाऊद इब्राहिम का किरदार सही तरीके से नहीं दिखाया गया। फिल्म धुरंधर 2 के रिलीज के बाद

से ही राम गोपाल वर्मा इसकी क्राफ्ट और स्टोरीटेलिंग की तारीफ कर रहे हैं। हाल ही में राइटर हुसैन जैदी के साथ उनके यूट्यूब चैनल पर बातचीत में उन्होंने विस्तार से फिल्म को लेकर अपनी राय रखी। वर्मा ने कहा कि उन्हें फिल्म के कई पहलू प्रभावित करते हैं, लेकिन दाऊद इब्राहिम के किरदार को लेकर वह सहमत नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे बस एक बात से असहमति है। मुझे लगता है कि दाऊद इब्राहिम को जिस तरह दिखाया गया है, वह सही नहीं है। उनके पास अपने सोर्स हो सकते हैं, लेकिन मेरी नजर में इसे गलत तरीके से दिखाया गया है।

प्रयागराज की वर्णिका शुक्ला ने वेब सीरीज 'संकल्प' से बढ़ाया शहर का मान, अभिनय में बनाई नई पहचान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। शहर की प्रतिभाएं

लगातार देश-विदेश में अपनी पहचान बना रही हैं। इसी कड़ी में प्रयागराज की उभरती हुई कलाकार वर्णिका शुक्ला ने वेब सीरीज 'संकल्प' में अपने प्रभावशाली अभिनय से न सिर्फ दर्शकों का दिल जीता है, बल्कि शहर का नाम भी रोशन किया है। उनके अभिनय को सराहा जा रहा है और इससे उनके हौसलों को नई उड़ान मिली है। वर्णिका शुक्ला, जो कि पेशे से एक स्कूल में उप-प्रधानाचार्य हैं, ने अपने अभिनय सफर की शुरुआत बड़े ही सादगीपूर्ण तरीके से की। उन्होंने मुंबई में रहकर अभिनय की बारीकियां सीखीं। बताया जाता है कि उन्होंने सलमान खान प्रोडक्शन हाउस में निदेशक नभ कुमार (राजू) के साथ अभिनय प्रशिक्षण प्राप्त किया, जिससे उनके अभिनय कौशल में निखार आया। इससे पहले वर्णिका अरविंद बब्बल की फिल्म 'जय प्रकाश की दुल्हनियां' में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुकी हैं। अब वेब सीरीज 'संकल्प' में उनका अभिनय एक नई पहचान दिला रहा है। इस सीरीज का प्रसारण अमेजन एमएक्स प्लेयर पर 11 मार्च को किया गया, जिसे दर्शकों से अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। सीरीज में वर्णिका ने अभिनेता नाना पाटेकर के साथ काम किया है, जो उनके लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। इसमें उन्होंने नाना पाटेकर की पत्नी की पर्सनल असिस्टेंट की भूमिका निभाई है। वर्तिका का कहना है कि यह उनके अभिनय करियर की शुरुआत है और वह अपने काम से पूरी तरह संतुष्ट हैं, लेकिन अभी उन्हें लंबा सफर तय करना है। वर्णिका शुक्ला ने बताया कि 'जय प्रकाश की दुल्हनियां' का प्रसारण भी जल्द ही होने वाला है, जिसमें उन्होंने एक पारिवारिक सदस्य की भूमिका निभाई है। उनका मानना है कि अभिनय उनके लिए केवल एक पेशा नहीं बल्कि जुनून है, और वह इसे पूरी लगन के साथ आगे बढ़ाना चाहती हैं।प्रयागराज के लोगों के लिए यह गर्व की बात है कि शहर की बेटी ने अभिनय के क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। वर्तिका की इस सफलता से न केवल युवाओं को प्रेरणा मिल रही है, बल्कि यह भी साबित हो रहा है कि छोटे शहरों की प्रतिभाएं भी बड़े मंच पर अपनी छाप छोड़ सकती हैं। (आधुनिक समाचार के लिए विशेष रिपोर्ट)

भीड़ में भी अकेली हूं,कोई मुझे समझता नहीं, किसी को मेरी परवाह नहीं, सब हैं, लेकिन दिल का साथी कोई नहीं, क्या करूं?

नयी दिल्ली। विषय पर प्रकाश डालेंगे एक्सपर्ट एक्सपर्ट- डॉ. द्रोण शर्मा, कंसल्टेंट साइकेट्रिस्ट, आयरलैंड, यूके। यूके, आयरिश और जिब्राल्टर मेडिकल काउंसिल के मेंबर जी और समझेंगे सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मेरी उम्र 23 साल है। मैं रांची में रहती हूं और होटल मैनेजमेंट का कोर्स कर रही हूं। हमारी जॉइंट फैमिली है। कॉलेज में भी ढेर सारे दोस्त हैं। फिर भी मुझे हर वक्त एक अजीब सा अकेलापन महसूस होता है।

हर वक्त मेरे चारों ओर लोग होते हैं और मैं उन सबसे भागकर अकेली होना चाहती हूं। मुझे लगता है कि कोई मेरा अपना नहीं है। चाहे दोस्त हों या फैमिली, कोई मुझे समझता नहीं है। मैं बाहर से खुश दिखती हूं, लेकिन अंदर-ही-अंदर दुखी रहती हूं। क्या सब लोग ऐसा ही फील करते हैं? क्या ये फीलिंग नॉर्मल है या मेरे अंदर ही कोई प्रॉब्लम है।जवाब-आज मेंटल हेल्थ डिसकशन का एक महत्वपूर्ण विषय बन चुका है। पहली नजर में यह साधारण 'अकेलेपन' जैसा लगता है, लेकिन मनोविज्ञान इसे कहीं अधिक गहराई से समझता है। इमोशनल लोनलीनेस क्या है ? आधुनिक मनोविज्ञान में इस विषय पर रॉबर्ट वाइस का काम आधारभूत माना जाता है। उन्होंने 1973 में यह बताया कि लोनलीनेस कोई एक अनुभव नहीं है। इसके अलग-अलग प्रकार होते हैं। हर व्यक्ति के लिए यह अनुभव अलग हो सकता है।वाइस के अनुसार, अकेलेपन का एक रूप वह है, जब व्यक्ति के पास कोई ऐसा घनिष्ठ, भरोसेमंद और भावनात्मक रूप से सुरक्षित रिश्ता नहीं होता, जिसमें वह खुलकर अपनी बात कह सके। इसे ही इमोशनल लोनलीनेस कहते हैं। दूसरा रूप वह है, जब व्यक्ति के पास व्यापक सामाजिक दायरा, जैसे परिवार, दोस्त, परिचित या कम्युनिटी नहीं होती है। इसे सोशल लोनलीनेस कहते हैं। भीड़ में अकेलापन-आगे चलकर न्यूजीलैंड के दो प्रसिद्ध समाजशास्त्रियों जेनी डे योंग हीरफेल्ड और थियो वान टिलबुर्ख ने इस अंतर को और साफ किया और इसे मापने के लिए कई वैज्ञानिक उपकरण विकसित किए। आज इमोशनल लोनलीनेस सिर्फ 'अकेले रहना' नहीं है। इमोशनल लोनलीनेस का मतलब है, लोगों से घिरे होने और भीड़ में रहने के बावजूद यह महसूस करना कि-मुझे कोई समझता नहीं। मुझे कोई सुनता नहीं। मुझे कोई प्यार नहीं करता। इसी संदर्भ में इमोशनल लोनलीनेस और सोशल लोनलीनेस के बीच अंतर समझना जरूरी है। कई बार व्यक्ति के पास परिवार होता है, दोस्त होते हैं, और वह सामाजिक रूप से सक्रिय भी रहता है। उदाहरण के तौर पर, कोई व्यक्ति संयुक्त परिवार में रह सकता है, कॉलेज में उसके कई दोस्त हो सकते हैं और वह अक्सर लोगों से घिरा रह सकता है। इसके बावजूद यदि उसके भीतर लगातार खालीपन, दूरी या 'कोई मुझे समझता नहीं' जैसी भावना बनी रहती है, तो यह इमोशनल लोनलीनेस का संकेत है। सोशल लोनलीनेस में व्यक्ति की मुख्य शिकायत होती है–'मेरे पास लोग नहीं हैं।' इसके विपरीत, इमोशनल लोनलीनेस में व्यक्ति कहता है–'लोग तो हैं, लेकिन कोई सच में मेरा नहीं है।' यह अंतर बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे समस्या की जड़ साफ होती है। यहां चुनौती लोगों की संख्या नहीं, बल्कि रिश्तों की गुणवत्ता है। ऐसे मामलों में व्यक्ति अक्सर यह भी महसूस करता है कि सामाजिक संपर्क उसे सुकून देने की बजाय थका देता है। वह लोगों के बीच रहते हुए भी भावनात्मक रूप से जुड़ नहीं पाता। 'कोई मुझे समझता नहीं,' जैसी सोच इस बात की ओर इशारा करती है कि उसके अनुभवों को समझा और स्वीकारा नहीं जा रहा, जिसे मनोविज्ञान में 'इमोशनल एट्यूनमेंट' की कमी कहते हैं। कोई ऐसा जो हमें सुने, समझे- इस प्रकार, इमोशनल लोनलीनेस हमें यह समझने में मदद करती है कि केवल लोगों से घिरे रहना काफी नहीं है। मानसिक संतुलन और संतुष्टि के लिए जरूरी है कि हमारे जीवन में ऐसे रिश्ते हों, जहां हम बिना झिझक अपने असली भाव व्यक्त कर सकें और खुद को सच में समझा हुआ महसूस करें। करें सेल्फ एसेसमेंट टेस्ट-यहां मैं आपको एक सेल्फ एसेसमेंट टेस्ट दे रहा हूं। आपको इन सवालों को ध्यान से पढ़ना है और 0 से 3 के स्केल पर इसे रेट करना है। जैसेकि पहले सवाल के लिए अगर आपका जवाब 'कभी नहीं' है तो 0 नंबर दें और अगर आपका जवाब 'लगभग हर दिन' है तो 3 नंबर दें। अंत में अपने टोटल स्कोर की एनालिसिस करें। अगर आपका टोटल स्कोर 0 से 7 के बीच है तो आप में बहुत मामूली पैटर्न है। ये नॉर्मल है लेकिन अगर आपका स्कोर 24 से 30 के बीच है तो यह बहुत स्ट्रॉन्ग इमोशनल लोनलीनेस का संकेत है। ऐसे में प्रोफेशनल हेल्प के बारे में सोचना चाहिए। कहीं ये लो मूड/डिप्रेशन तो नहीं- इस एसेसमेंट टेस्ट के अलावा यह देखना भी जरूरी है कि कहीं ये लो मूड/डिप्रेशन का केस तो नहीं है। इसलिए खुद से ये दो सवाल भी पूछें- क्या अकेलेपन की यह फीलिंग दो हफ्तों से भी ज्यादा समय से लगातार बनी हुई है? क्या इस फीलिंग के साथ ये चीजें भी प्रभावित हो रही हैं- नींद,भूख,पढ़ाई, एनर्जी लेवल,क्या इसके अलावा ये भी हो रहा है- बीच-बीच में खूब रोना आ रहा है। निराशा महसूस हो रही है। खुद को नुकसान पहुंचाने का ख्याल आ रहा है। यदि आपका उत्तर 'हां' है, तो यहां पर लो मूड/डिप्रेशन को भी एक बार प्रोफेशनल लेंस से जरूर देखना चाहिए। हेल्थ एंड सेफ्टी एक्जीक्यूटिव, यूके और नेशनल हेल्थ सर्विस, यूके, दोनों सलाह देते हैं कि अगर 2 हफ्ते से अधिक समय तक लगातार लो मूड रहे, कोप करने में कठिनाई हो, या सेल्फ हेल्प से कोई फायदा न हो तो प्रोफेशनल हेल्प लेनी चाहिए.4 सप्ताह का सीबीटी आधारित सेल्फ हेल्प प्लान- सप्ताह 1-पहचानना और समझाना, लक्ष्यः फीलिंग को नाम देना, दबाना नहीं, पहले हफ्ते में आपका लक्ष्य अपनी भावनाओं को दबाना नहीं, बल्कि उन्हें पहचानना और नाम देना है। दिन में कम-से-कम एक बार एक छोटा-सा मूड लॉग भरें, जिसमें चार चीजें लिखें-सिचुएशन (क्या हुआ) थॉट (दिमाग में क्या आया) फीलिंग (क्या महसूस हुआ) नीड (आपको अंदर से क्या चाहिए था) उदाहरणः-सिचुएशन- दोस्तों के साथ थी। थॉट- कोई मुझे नहीं समझता। फीलिंग- खालीपन लगना। नीड- एक सच्ची बातचीत। इसके अलावा, रोज 10 मिनट शांति से बैठकर खुद से पूछें–'मैं अभी क्या महसूस कर रही हूं?' बिना जज किए उस फीलिंग को नोट करें। सप्ताह 2-विचारों को टेस्ट करना, लक्ष्यः ऑटोमैटिक नेगेटिव थॉट को मानना नहीं, जांचना, इस हफ्ते आपका लक्ष्य है, अपने नेगेटिव विचारों (जो अपने आप आते हैं) को सीधे सच न मान लेना, बल्कि उन्हें चेक करना, उन्हें चुनौती देना। जैसे आपके मन में ये ऑटोमैटिक विचार आया-'कोई मेरा अपना नहीं है।' 'कोई मुझे समझता नहीं है।' जब भी ऐसा ख्याल आए तो एक सीबीटी वर्कशीट बनाएं और उसमें लिखें- पक्ष- इस विचार के सपोर्ट में क्या सबूत है? विपक्ष- इस विचार के खिलाफ क्या सबूत है? संतुलन- ज्यादा संतुलित और यथार्थ सोच क्या हो सकती है? उदाहरणः-विचारः 'कोई मुझे समझता नहीं।' पक्षः मैं अपनी बातें शेयर नहीं करती। विपक्षः एक दोस्त और पापा कई बार समझने की कोशिश करते हैं। संतुलनः 'शायद हर कोई नहीं समझता, लेकिन अगर मैं ओपन होऊं तो कुछ लोग समझ सकते हैं।' सप्ताह 3-व्यवहार परीक्षण और कनेक्शन बिल्डिंग, लक्ष्यः यकीन को असल जिंदगी में टेस्ट करना,इस हफ्ते आपका लक्ष्य है, अपने पुराने यकीन को रियल लाइफ में टेस्ट करना। जैसेकि आपका ये यकीन–'कोई मुझे समझेगा नहीं।' इसके लिए तीन छोटे-छोटे प्रयोग करें:-किसी एक दोस्त से 10 मिनट की ईमानदार बातचीत करें।परिवार के किसी भरोसेमंद व्यक्ति से एक लाइन शेयर करें–'मैं बाहर से ठीक लगती हूं, लेकिन अंदर लो फील करती हूं।' किसी ग्रुप में ज्यादा लोगों से बात करने की बजाय सिर्फ एक से मीनिंगफुल बातचीत पर ध्यान दें। हर एक्सपेरिमेंट के बाद तीन बातें लिखें:-मैंने पहले क्या सोचा था? असल में क्या हुआ? मेरी फीलिंग पहले और बाद में कैसी थी? सप्ताह 4-इमोशनल जरूरतें और रीलैप्स को रोकना,लक्ष्यः सिर्फ अकेलापन कम करना नहीं, सेफ रिश्ते बनाना, इस हफ्ते का लक्ष्य सिर्फ अकेलेपन को कम करना नहीं, बल्कि सच्चा और सुरक्षित भावनात्मक कनेक्शन बनाना है। सबसे पहले अपनी टॉप 3 इमोशनल जरूरतों को पहचानें और लिखें। जैसेकि- 'मुझे सुना जाए।' 'मुझे जज न किया जाए।' 'कंसिस्टेंसी या अपनापन मिले।' फिर एक छोटा-सा रिलेशनशिप मैप बनाएं, जिससे समझें कि आपके जीवन में कौन व्यक्ति किस रोल में है। कौन सिर्फ मौज के लिए है। कौन सेफ स्पेस है। कौन सलाह देता है। कौन भावनात्मक रूप से उपलब्ध है। इसके बाद एक आसान वीकली प्लान बनाएं:-2 लोगों से सामान्य संपर्क (कॉल/मैसेज) किसी एक व्यक्ति से मीनिंगफुल बातचीत-3 खुशी देने, शांत करने वाली एक्टिविटीज (जैसे वॉक करना, डायरी लिखना, संगीत सुनना) 1 बाउंड्री बनाना (जो बात पसंद न आए, वहां तुरंत सीमा तय करना।) इन सबके अलावा खुद से ये वाक्य दोहराएं- 'मुझमें कोई कमी नहीं है। मेरी इमोशनल जरूरतें पूरी नहीं हुई हैं।' चार संकेतों में से कोई भी दो संकेत एक साथ दिखें तो प्रोफेशनल मदद जरूर लें। खासतौर पर खुद को किसी भी तरह से नुकसान पहुंचाने का ख्याल अलार्मिंग है। ऐसे में तुरंत साइकेट्रिस्ट से मिलें। अकेलापन जिंदगी में सिर्फ लोगों की कमी नहीं, बल्कि सच्चे, गहरे भावनात्मक जुड़ाव की कमी है। यह आपकी कमजोरी नहीं, बल्कि एक पूरी न हुई भावनात्मक जरूरत का संकेत है। खुलेपन के साथ सही समझ और छोटे-छोटे प्रयासों से आप धीरे-धीरे सुरक्षित, गहरे और संतुलित रिश्ते बना सकती हैं। खुद के साथ भी गहराई से जुड़ सकती हैं।

विद्युत जामवाल की हॉलीवुड फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' का ट्रेलर रिलीज,इंटेंस और डार्क रोल में नजर आए एक्टर

मुंबई। पैरामाउंट पिक्चर्स की फिल्म स्ट्रीट फाइटर का ट्रेलर

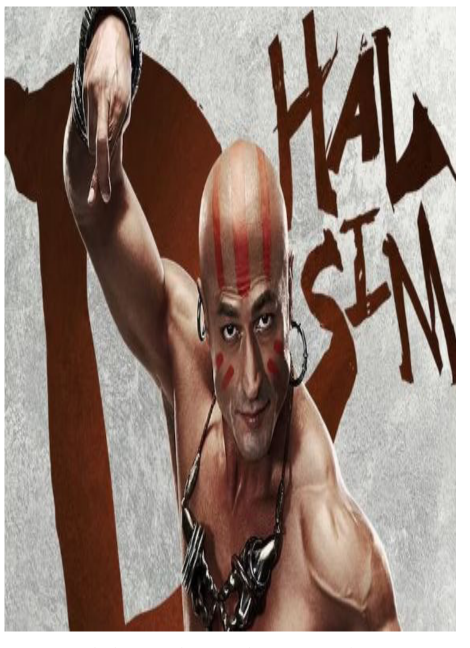

गुरुवार को रिलीज कर दिया। फिल्म में नोआ सेंटिनियो, जेसन मोमोआ और एंड्रयू कोजी मुख्य भूमिकाओं में हैं। खास बात यह है कि इसमें बॉलीवुड एक्टर विद्युत जामवाल धाल्सिम के रोल में नजर आएंगे। फिल्म 16 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म से विद्युत हॉलीवुड में डेब्यू कर रहे हैं। ट्रेलर में विद्युत पूरी तरह बाल्ड लुक में दिखाई दे रहे हैं। उनके शरीर पर बने टैटू और रग्ड स्टाइलिंग दिख रही है। इसके साथ ही उनका लीन और मस्कुलर फिजीक धाल्सिम के योगा-आधारित फाइटिंग स्टाइल को बखूबी दर्शाता है। ट्रेलर में धाल्सिम का किरदार पारंपरिक शांत योगी की इमेज से थोड़ा अलग नजर आ रहा है। विद्युत की इंटेंस आंखें और खतरनाक एक्सप्रेशन उनके किरदार को एक डार्क और पावरफुल ट्विस्ट देते हैं। ट्रेलर में फिल्म के एक्शन और फाइट सीक्वेंस की झलक दिखाई गई है। फिल्म को 1993 की पृष्ठभूमि में सेट किया गया है, जहां रयू और केन मास्टर्स फिर से एक बड़े मुकाबले में उतरते हैं। कहानी में चुन-ली उन्हें वर्ल्ड वॉरियर टूर्नामेंट के लिए तैयार करती है। इस टूर्नामेंट के पीछे एक साजिश छिपी है, जो दोनों को आमने-सामने खड़ा करती है और उनके अतीत से जुड़ी चुनौतियों को सामने लाती है। फिल्म का डायरेक्शन किताओ सकुराई ने किया है। इसमें नोआ सेंटिनियो (केन मास्टर्स), एंड्रयू कोजी (रयू), कैलिना लियांग (चुन-ली), जो अनोआई (अकुमा), डेविड डास्टमलचियन (एम. बाइसन), कोडी रोड्स (गाइल), एंड्रयू शुल्ज (डैन हिबिकी), एरिक आंद्रे (डॉन सॉवेज), विद्युत जामवाल (धाल्सिम), ऑरविल पेक (वेगा), ओलिवियर रिच्टर्स (जैंगिफ), हिरोकी गोटो (ई. होंडा), रैना वल्लैंडिंघम (जुली), अलेक्जेंडर वोल्कानोव्स्की (जो), कर्टिस '50 सेंट' जैक्सन (बालरॉग) और जेसन मोमोआ (ब्लांका) शामिल हैं।

मूवी रिव्यू

भूत बंगला-भूल भुलैया जैसी उम्मीद देकर अक्षय कुमार-प्रियदर्शन की जोड़ी ने किया निराश

मुंबई। डायरेक्टर- प्रियदर्शन अक्षय कुमार और प्रियदर्शन जब भी साथ आते हैं, दर्शकों को भूल भुलैया, हेरा फेरी, भागम भाग जैसी

एंटरटेनिंग फिल्मों की उम्मीद होती है। लेकिन फिल्म भूत बंगला में ये जोड़ी इस बार वैसा कमाल नहीं दिखा पाती। फिल्म हॉरर, कॉमेडी और मिस्ट्री का मिक्स तो है, लेकिन इसका असर हर जगह बराबर नहीं दिखता। एक नजर भूत बंगला के रिव्यू पर-कैसी है फिल्म की कहानी? कहानी की शुरुआत होती है श्रापित गांव मंगलपुर से, जहां यह माना जाता है कि शादी करना खतरे से खाली नहीं है क्योंकि यहां नई दुल्हन को वधुसुर नाम का राक्षस उठा ले जाता है। अर्जुन आचार्य (अक्षय कुमार) लंदन में अपने पिता वासुदेव और बहन मीरा के साथ रहते हैं। मीरा की शादी तय होती है, तभी उन्हें पता चलता है कि उनके दादा 500 करोड़ की संपत्ति और मंगलपुर की हवेली मीरा के नाम कर गए हैं। अर्जुन, मीरा की शादी उसी पुश्तैनी हवेली में करने के लिए मंगलपुर पहुंचता है। लेकिन जैसे-जैसे शादी करीब आती है, हवेली में अजीब और डरावनी घटनाएं शुरू हो जाती हैं। इसी दौरान अर्जुन के सामने कई पुराने राज खुलते हैं और उसे पता चलता है कि मीरा ही वधुसुर के निशाने पर है, क्योंकि उसे मारकर वधुसुर अमर हो सकता है। अब कहानी इस सवाल पर आकर टिकती है कि क्या अर्जुन अपनी बहन और मंगलपुर को इस खतरे से बचा पाएगा। कैसी है स्टारकास्ट की एक्टिंग? अक्षय कुमार इस बार उम्मीदों पर पूरी तरह खरे नहीं उतरते। उनकी कॉमिक टाइमिंग, जो उनकी सबसे बड़ी ताकत है, यहां बनावटी और ज्यादा मेहनत करती हुई लगती है। राजपाल यादव फिल्म के असली मजबूत सहारा बनकर उभरते हैं, उनकी कॉमेडी ही कई जगह फिल्म को संभालती है। परेश रावल का काम ठीक-ठाक है, लेकिन उनसे जो उम्मीद रहती है, वो यहां नजर नहीं आती। ऐसा लगता है जैसे उन्होंने आधे मन से अभिनय किया हो। फिल्म की लीड एक्ट्रेस वामिका गब्बी को बहुत कम स्क्रीन टाइम मिला है और अक्षय के साथ उनकी केमिस्ट्री भी जबरदस्ती की लगती है। तब्बू, मिथिला पालकर और जेस्सु सेनगुप्ता जैसे कलाकारों का इस्तेमाल भी सीमित और अधूरा लगता है।कैसा है फिल्म का डायरेक्शन और टेक्निकल पहलू? प्रियदर्शन इस बार अपने ही बनाए मापदंडों पर खरे नहीं उतरते। फिल्म का स्क्रीनप्ले बिखरा हुआ महसूस होता है, जहां पहला भाग काफी खिंचा हुआ और उबाऊ लगता है, वहीं दूसरा भाग थोड़ी रफ्तार पकड़ता है और कहानी को कुछ हद तक संभालता है। हॉरर एलिमेंट्स में साउंड का इस्तेमाल कुछ जगह असरदार है, लेकिन डर का माहौल लगातार नहीं बन पाता। वीएफएक्स कई जगह कमजोर और बनावटी लगता है, जिससे फिल्म का प्रभाव कम हो जाता है। डायलॉग्स औसत हैं और कॉमिक पंच कई बार ऐसे लगते हैं जैसे पहले से सुने हुए हों, जिससे हंसी कम और निराशा ज्यादा होती है। कुल मिलाकर निर्देशन में वो धार और कसावट नहीं दिखती, जिसकी इस जोड़ी से उम्मीद की जाती है। कैसा है फिल्म का म्यूजिक? फिल्म का म्यूजिक इसका सबसे कमजोर पक्ष है। भूल भुलैया के गाने आज भी लोगों को याद हैं, लेकिन भूत बंगला का एक भी गाना ऐसा नहीं जो थिएटर से बाहर निकलने के बाद याद रह जाए। फाइनल वर्डिक्ट:फिल्म देखें या नहीं? भूत बंगला एक ऐसी फिल्म है जो भूल भुलैया की याद दिलाती है, लेकिन उस स्तर का मनोरंजन नहीं दे पाती। कमजोर स्क्रीनप्ले, फीका म्यूजिक और औसत अभिनय इसे पूरी तरह असरदार बनने से रोकते हैं। अगर आप हल्की-फुल्की हॉरर-कॉमेडी और राजपाल यादव की कॉमेडी के लिए फिल्म देखना चाहते हैं, तो एक बार देख सकते हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।